RNI: RJHIN/ 2013/ 53539

पढ़ें... पेज 12

शिव आमंत्रण

पढ़ें... पेज 06

वर्ष: 6, अंक: 2 | RNI: RJHIN/2013/53539 | सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण | हिन्दी (मासिक), 2018, फरवरी, सिरोही, पृष्ठ: 12, मूल्य : 7.50 रुपए

देशभर से बड़ी संख्या में कृषि वैज्ञानिकों से लेकर अधिकारी एवं कृषक हुए शामिल

किसानों के सर्वांगीण विकास के लिए जैविक यौगिक खेती को मिलना चाहिए बढ़ावा : राधा मोहन

शिव आमंत्रण ■ आबूरोड

हमारे देश के विकास की रीढ़ किसान है। यदि किसानों की हालात सुधरेंगे तो देश का विकास होगा। किसानों के सर्वांगिण विकास के लिए जैविक और यौगिक खेती को बढ़ावा देना चाहिए। उक्त उद्गार भारत सरकार के केन्द्रिय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन में कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन में उपस्थित देशभर से आये हजारों किसानों को सम्बोधित कर रहे थे।

कुछ दशकों के दौरान हम खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्म निर्भर हो गये है। यह हमारे देश के लोगों तथा किसानों के लिए अच्छी स्थिति है। अब रासायनिक खादों के कम उपयोग तथा जैविक और यौगिक खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कृषि सम्बन्धित सपनों को पूरा करने में ब्रह्माकुमारीज संस्थान मुख्य भूमिका निभा रही है। राष्ट्रीय स्तर पर यह संस्थान अभियान यात्राओं के द्वारा किसानों में जागृति लाने का प्रयास कर रही है। इससे निश्चित तौर पर किसानों के अच्छे दिन आयेंगे।

ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा बीके सरला तथा उपाध्यक्ष बीके राजू ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा पिछले कई सालों से ग्राम विकास प्रभाग गोकुल गांव बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। इससे निश्चित तौर पर हम मकसद की ओर कामयाब होते दिख रहे हैं। महासम्मेलन में ब्रह्माकुमारीज की कार्यक्रम प्रबन्धिका बीके मुन्नी, बीके सपना समेत कई लोगों ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किये। केन्द्रिय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह ने तपोवन में हो रही जैविक और यौगिक खेती का भी अवलोकन किया। यहाँ तपोवन के निदेशक बीके भरत, बीके राजू समेत कई लोग उपस्थित थे।

सभा में उपस्थित देश के कोने-कोने से सम्मेलन में शामिल होने आए किसान प्रभाग के सदस्य एवं अन्य।

सम्मेलन से किसानों में आई जागरूकता

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा, कि भारत कृषि प्रधान देश है। परन्तु किसानों के अन्दर आज भी किसानों के अन्दर कई प्रकार की सामाजिक कुरीतियां फैल रही है। जिसे रोकने के लिए अभियान और अनेक कार्यक्रम करने की जरूरत है। यह सम्मेलन इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। सम्मेलन में ब्रह्माकुमारीज संस्था के महासचिव बीके निर्वेर ने कहा, कि हमारा प्रयास है कि हर किसान जैविक और यौगिक खेती का उपयोग करे। जिससे कम लागत में अच्छी उपज हो और लोगों के लिए लाभकारी भी हो।

इन्होंने ने की अगवानी

केन्द्रिय कृषिमंत्री राधामोहन सिंह का शांतिवन पहुंचने पर जिला कलेक्टर संदेश नायक, पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश चौहान, उपखण्ड अधिकारी सुरेश ओला, शांतिवन प्रबन्धक बीके भूपाल, यूआईटी चेयरमैन सुरेश कोठारी, आबू रोड पालिका चेयरमैन सुरेश सिंदल, माउण्ट आबू पालिका चेयरमैन सुरेश थिंगर, आबू पिण्डवाड़ा विधायक समाराम गरासिया, ग्राम विकास प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके शशिकांत, बीके भरत, पुलिस उपअधीक्षक विजय पाल सिंह, तहसीलदार मनसुख डामोर, थाना सदर सुमेर सिंह सहित कई लोगों ने आगवानी की।

धन-दौलत अस्थायी

धन और दौलत सब मनुष्य की निधि है लेकिन यह अल्पकाल की है। इसको स्थायी बनाने के लिए जीवन में मूल्यों को पहले स्थायी बनायें। ब्रह्माकुमारीज संस्थान परिसर में घुसते ही यह महसूस होने लगता है।

- **चिन्तकालया** अयन्नापात्रुद्, सड़क एवं भवन निर्माण मंत्री, आन्ध्र प्रदेश

अंदर पढ़ें

शिव संदेश देने के लिए गिराये नेपाल में हेलिकॉप्टर से पर्चे ...पेज-12

किताबी ज्ञान नहीं, देते है चरित्रवान जीवन बनाने की शिक्षा : अन्ना हजारे ...पेजः 07

102 वर्षीय दादी जानकी की उर्जा और अध्यात्म की पराकाष्ठा देखकर संत हुए प्रफुल्लित ...पेज-3

स्वच्छ भारत के रूप में मनाया जन्म दिन, दुनिया भर से आये लोगों ने दी शुभकामनाएं

दादी जानकी के नाम जुड़ा अनोखा रिकार्ड, 102 साल में दुनिया की बनी पहली मुख्य प्रशासिका

शिव आमंत्रण ■ आबूरोड

ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी के नाम एक अनोखा रिकार्ड जुड़ गया। 102 साल की उम्र में 140 देशों में अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान के संचालन करने का गौरव उन्हे प्राप्त हुआ है। दादी जानकी पहली मुख्य प्रशासिका बन गयी है जो महिलाओं द्वारा संचालित अन्तर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक संस्थान का संचालन कर रही है। जिसमें लगभग 46 हजार बहने समर्पित होकर करोड़ों लोगों के जरिए एक बेहतर समाज के निर्माण के लिए कार्य कर रही है। समारोह में कई देशों के लोग शामिल हुए। इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए दादी जानकी ने लोगों से अपील की कि वे स्वच्छ भारत का निर्माण करें तभी हमारा देश बदलेगा और हम एक अच्छे, स्वच्छ तथा स्वस्थ देश के रूप में पूरे विश्व में जाने जायेंगे। यह कठिन कार्य नहीं है क्योंकि इसके लिए व्यक्ति को अपने मानसिक रूप पर बदलाव करना पड़ेगा।

मुख्य प्रशासिका दादी जानकी जन्मदिन पर केक काटते हुए।

- शेष पेज 8 पर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात

शिव आमंत्रण ■ अहमदाबाद

गांधीनगर में नये मंत्रिमंडल के शपथ समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम शुरू होने से पूर्व प्रधानमंत्री सभी साधुसंतों के आशीर्वाद लेने हेतु मंच पर पहुंचे। कार्यक्रम में 150 से अधिक गणमान्य साधुसंत और महंत उपस्थित थे। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की ओर से गुजरात जोन प्रभारी बीके सरला, बीके अमर तथा बीके नन्दिनी भी शामिल हुई। समारोह में प्रधानमंत्री से बीके सरला ने मुलाकात की उन्हें मुख्यालय माउंट आबू आने के निमंत्रण की स्मृति दिलायी। प्रधानमंत्री ने इसे स्वीकार किया। मुख्यमंत्री पद पर विराजमान होने से पूर्व विजय रूपाणी से भी बीके सरला ने मुलाकात की और शुभकामना दी। इस मौके पर नायब मुख्यमंत्री नितिन पटेल, उर्जा मंत्री सौरभ पटेल और राजस्व मंत्री कौशिक पटेल ने शुभाशीष लिया और धन्यवाद किया। समारोह में राज्यपाल ओ.पी. कोहली, वरिष्ठ नेता एल.के. आडवाणी, भाजपा अध्यक्ष अमित शाह, गुजरात भाजपा प्रमुख जीतू वाधाणी, केन्द्रीय मंत्री समेत 19 मुख्यमंत्री भी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करती गुजरात जोन प्रभारी बीके सरला।

इंदौर जोन के पूर्व निदेशक बीके ओमप्रकाश जी की द्वितीय पुण्यतिथि पर आयोजन

मीडिया से मूल्यों का गायब होना चिंताजनक : नाग

शिव आमंत्रण ■ रायपुर

आजकल खबरों पर बाजार हावी हो गया है। मीडिया के क्षेत्र में जीवन मूल्यों का पतन चिन्तनीय है। इसका बुरा असर समाज पर भी पड़ रहा है। ऐसे में मीडिया को समाजिक सकारात्मक बदलाव में भूमिका निभानी चाहिए। उक्त उदगार प्रेस काउन्सिल के सदस्य तथा दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार राजीव रंजन नाग ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा विधानसभा मार्ग स्थित शान्ति सरोवर में इंदौर जोन के पूर्व निदेशक बीके ओम प्रकाश की द्वितीय पुण्यतिथि पर आयोजित मीडिया सेमीनार में बोल रहे थे।

उन्होंने आगे कहा, कि सामाजिक बदलाव के लिए मीडिया अहम भूमिका निभा सकता है। क्योंकि मीडिया जो दिखाता है उसका सीधा असर समाज पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि समाज में मूल्यों का जो पतन हुआ है उसका असर मीडिया पर भी पड़ा है। सबसे अधिक असर टेलीविजन पर हुआ है। आने वाले दिनों शायद और भी बुरे दिन देखने को मिल सकते हैं। इसका प्रमुख कारण है कि बड़े-बड़े कार्पोरेट हाउस स्वयं का अखबार निकालने लगे हैं।

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मानसिंह परमार ने ब्रह्माकुमार आत्मप्रकाशजी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, कि उन्होंने मूल्यनिष्ठ मीडिया के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा, कि पत्रकारिता के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में भी मूल्यों का समावेश होना चाहिए। मीडिया के क्षेत्र में व्यवसायियों के आ जाने से पेन तो पत्रकारों का है लेकिन स्याही मालिक की हो गई है। माउण्ट आबू आये मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बीके आत्मप्रकाश ने कहा कि चुनौतियां तो आएंगी लेकिन जीवन में अगर दृढ़ता हो तो ही उसका सामना कर सकेंगे। समाज ने बहुत उन्नति की है किन्तु फिर भी जीवन में खुशी नहीं है। ऐसे में एक और क्रान्ति की जरूरत महसूस हो रही है।

दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत करते अतिथि।

पत्रकारिता में हो लोकहित की भावना

हरिभूमि के प्रधान सम्पादक हिमांशु द्विवेदी ने कहा, कि मूल्यगत चुनौतियाँ तो जीवन में हमेशा से रही हैं। चुनौतियाँ जीवन में जरूरी हैं। उन्होंने कहा, कि लोकहित की भावना पत्रकारिता को सार्थकता प्रदान करती है। दैनिक भास्कर के सम्पादक शिव दुबे ने कहा, कि क्या हम लोग मूल्यगत कार्य कर पाते हैं। हम लोग चाहते तो हैं, कि भगत सिंह पैदा हों लकिन अपने घर में नहीं बल्कि पड़ोसी के घर में। वरिष्ठ पत्रकार रमेश नैयर, अमृत सन्देश के प्रधान सम्पादक गोविन्द लाल वोरा, क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी कमला दीदी और दूरदर्शन के केन्द्र निदेशक संजय प्रसाद ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्माकुमारी प्रिंयका बहन ने किया। सेमीनार में भाग लेने के लिए रायपुर के अलावा आसपास के अन्य शहरों के भी पत्रकार आए थे।

एकात्म यात्रा का भव्य स्वागत

एक ईश्वर के सान्निध्य में जाना ही एकात्म यात्रा का मकसद : शैलजा

ग्वालियर में आयोजित समारोह को संबोधित करतीं सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके ज्योति व मंचासीन संतगण व अतिथि।

शिव आमंत्रण ■ छतरपुर/ग्वालियर

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा निकाली गयी एकात्म यात्रा छतरपुर पहुंचने पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें निरंजनी अखाड़ा के महामण्डलेश्वर स्वामी श्री अखिलानन्द गिरी, ब्रह्माकुमारीज संस्था छतरपुर क्षेत्र की प्रभारी बीके शैलजा तथा बीके माधुरी भी इस कार्यक्रम में शरीक हुई। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ तथा सशक्त बनाने के लिए आध्यात्मिकता को जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया।

नारी एक शक्ति है जब अपने मूल स्वरूप को समझने लगेगी तो जीवन में सकारात्मक बदलाव आयेगा। उन्होंने कहा, कि एक ईश्वर के सान्निध्य में खुद को अर्पण करना ही एकात्म यात्रा है। ग्वालियर में भी एकात्म यात्रा पहुंचने पर विशाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विशाल संख्या में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए ग्वालियर मालनपुर सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके ज्योति ने लोगों को ईश्वरीय संदेश दिया। साथ ही उन्होंने भारतीय संस्कृति और सभ्यता को राजयोग के जरिये प्रतिस्थापित करने के लिए प्रेरित किया।

एकात्म यात्रा में छतरपुर सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके शैलजा तथा बीके माधुरी

नर्सिंग का जॉब है दुआएं कमाने वाला : भगवान

शिव आमंत्रण, लातूर। शिक्षा में नैतिक मूल्यों का महत्व बताने व तनाव से मुक्ति की युक्ति बताने के लिए ग्लोबल विजन और न्यू विजन नर्सिंग स्कूल में महाराष्ट्र के लातूर सेवाकेंद्र द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के तौर पर माउंट आबू से आए वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक बीके भगवान ने कहा, कि नर्सिंग का जॉब दुआएं कमाने वाला है, बस उसके लिए समर्पण भाव होना चाहिए। साथ ही राजयोग द्वारा मन को खुश व शांत रखने का अभ्यास भी कराया।

यह कार्यशाला लातूर सेवाकेंद्र द्वारा आयोजित थी जिसमें सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नंदा और बीके पुण्या भी उपस्थित थीं। बीके सदस्यों का स्कूल की सचिव कुमुदिनी अरूण कदम ने शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया और इस प्रकार की कार्यशाला को बच्चों के लिए बहुत ही उपयोगी बताया।

इसी क्रम में श्री विश्वेश्वर शिक्षण प्रसारक मंडल द्वारा संचालित विश्वेश्वरैय्या अभियांत्रिकी पदविका महाविद्यालय में भी कार्यशाला का आयोजन किया गया था जिसमें बीके भगवान ने शिक्षा का उद्देश्य चरित्रवान बनना और सभी का सहयोगी बनना बताते हुए बुरी संगत से दूर रहने की शिक्षा दी।

राष्ट्रीय समाचार

डॉ. बिन्नी सरीन को राष्ट्र गौरव अवॉर्ड

राष्ट्र गौरव अवॉर्ड स्वीकारते हुए बीके डॉ. बिन्नी सरीन।

शिव आमंत्रण, नई दिल्ली। इण्डियन ब्रेव हार्ट संस्था की ओर से नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 2017 नेशनल गौरव पुरस्कार सम्मान समारोह में बीके डॉ. बिन्नी सरीन को राष्ट्र गौरव अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। बीके डॉ. बिन्नी सरीन ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राष्ट्र के निर्माण में दिए गए अभूतपूर्व योगदान के बारे में सभी उपस्थित लोगों को जानकारी दी। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन नई सोच नई उम्मीद को समर्पित किया गया था। जिसमें 12 राज्यों के 35 वर्गों के सरकारी व गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों को विशिष्ट योगदान के लिए यह अवॉर्ड दिया गया। मुख्य अतिथि आर एस एस के इन्द्रेश कुमार, परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती, आयोजक देवेंद्र पंवार व मनीषा समेत पूरे भारत से लगभग 1500 विशिष्ट लोगों ने हिस्सा लिया।

हम मिलकर ला सकते हैं परिसर में स्वच्छता

शिव आमंत्रण, लखनऊ। लखनऊ के गोमती नगर में स्नेह मिलन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित महापौर संयुक्ता भाटिया ने कहा, कि एक महिला नौकरी करने पर भी अपने घर व बच्चों को स्वच्छ, स्वस्थ व सुंदर बनाये रखती है। ऐसे ही अपने स्थानीय क्षेत्र को भी हम स्वच्छ व सुंदर बनाये रख सकते है। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके राधा ने नारी शक्ति के महत्व को बताते हुए कहा, कि परमात्मा शिव पिता ने विश्व परिवर्तन का जो कार्य दिया है उसे नारी शक्ति बखूबी निभा सकती है। इस मौके पर बीके राधा ने मानव जीवन कैसे परिवर्तित हो इस पर प्रकाश डालते हुये कहा, कि किसी भी व्यक्ति का परिवर्तन लाठी, बंदूक व मार से नहीं किया जा सकता है बल्कि उसका परिवर्तन प्यार, पालना व मातृत्व से बहुत अच्छी तरह से किया जा सकता है।

महापौर संयुक्ता भाटिया का सम्मान करती बीके राधा व अन्य अतिथि।

आध्यात्म की अलख जगा रही हैं ब्रह्माकुमारीज़

रुडकी सेवा केंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन अतिथि।

शिव आमंत्रण, रूड़की। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रूड़की सेवाकेंद्र द्वारा 'चुनौतियों का सामना एवं समाधान' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कायक्र म में मुख्य अतिथि 1008 महामंडलेश्वर स्वामी मैत्री गिरी महाराज ने अपने संबोधन में कहा, कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान विश्व में आध्यात्म की अलख जगाने के साथ ही चरित्र निर्माण का कार्य तेजी से कर रही है। विशिष्ट अतिथि भारतीय जल विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. शरद कुमार जैन ने कहा, कि जल ही जीवन है। अतः जल का संरक्षण हमारा कर्त्तव्य है। मुम्बई विले पार्ले सेवाकेंद्र प्रभारी बीके योगिनी ने बताया, कि जीवन में आने वाली परिस्थितियों का सामना करने के लिये स्नेह, सहयोग एवं संगठन शक्ति की जरूरत होती है और ये केवल राजयोग से ही संभव है। सेवाकेंद्र संचालिका बीके विमला एवं हरिद्वार सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मीना ने संचालन किया।

कलपेट्टा में नये सेवाकेंद्र का शुभारंभ

शिव आमंत्रण, कलपेट्टा। केरल के कलपेट्टा में नये सेवाकेंद्र ओम् निवास ईश्वरीय सेवा के लिए तैयार हो चुका है। विधायक सी.के श्रीधरन, मिलमा के अध्यक्ष पी.टी गोपाला कुरूप, गुरूग्राम के ओम् शांति रिट्रीट सेंटर निदेशिका बीके आशा, मैसूर सबज़ोन प्रभारी बीके लक्ष्मी, कोझिकोड सेवाकेंद्र प्रभारी बीके जलाजा, बीके शीजा, कलपेट्टा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शीला, कैलीकट सेवाकेंद्र की बीके शीबा ने ओम् निवास का शुभारंभ किया। बीके शीजा ने सभी को राजयोग मेडिटेशन द्वारा सुखद अनुभूति कराई।

उच्च जीवन के लिए व्यंजन की भूमिका

सात्विक भोजन में ही छिपी है जीवन की मिठास

आज की भाग-दौड़ वाली ज़िन्दगी में फास्ट फूड के कारण शरीर रोगो का घर बनता जा रहा है। डिब्बा बंद भोजन से भी स्वास्थ्य संबंधी कई परेशानियां सामाने आ रही हैं। पारम्परिक भोजन सुपाच्य होने के साथ ही स्वास्थ्यवर्धक और शरीर को निरोगी रखने वाला भी होता है। इसी में हमारे जीवन की मिठास और खुशियों, प्रसन्नताओं के रसायन छिपे होते हैं। सात्विक भोजन से शरीर ही नहीं, मन पर भी बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अतः हमें पारम्परिक भोजन तथा व्यंजनों को एक बार फिर से अपने भोजन की थाली में शामिल करना होगा।

- ब्र.कु. रामलखन, शांतिवन

मोहनथाल बनाने की विधि

आधा किलो डालडा, आधा किलो तेल, एक किलो मोटा बेसन, दूध एवं एक किलो शक्क र। कढ़ाई में डालडा और तेल डालकर कुछ गरम होने पर उसमें एक किलो बेसन डालकर हल्की आँच पर पकायें। करीब 10 मिनट बाद उसमें एक किलो दूध डालकर आग कुछ तेज कर लें। करीब एक घण्टा बाद में जब उसका रंग बदल कर गाढ़ा (डार्क) हो जाये तो उस समय एक किलो शक्क र एवं 450 ग्राम पानी के अनुपात की चासनी (पहले से ही बना कर रखें) उसमें मिक्स करें। जब मोहनथाल तेल को छोड़ दे अर्थात् तेल से अलग होने की महसूसता हो, उस समय उतार कर प्लेन थाली पर जमा दें। ऊपर से बारीक कटे हुए काजू, पिस्ता, बादाम आदि डाल कर जमा दें। मोहनथाल आपके लिये तैयार है। अब छोटी या बड़ी चक्कियां बना कर डिब्बे में बन्द कर लीजिये।

बेसन के मोतीचूर लड्डू

एक किलो डालडा में थोड़ा तेल मिलाकर गरम होने पर उसमें डेढ़ किलो मोटा बेसन डालकर हल्की आग पर भून लें। करीब पौन घण्टा बाद रंग गाढ़ा हो जायेगा परन्तु पदार्थ तरल के रूप में ही रहेगा। अब उस तरल पदार्थ को सूखा बेसन मिलाते हुए इतना गाढ़ा करना है जिससे वह लड्डू बनाने योग्य सूखा बनने की स्थिति में आ जाये। ऐसा बनाने के लिये उस तरल पदार्थ में कच्चा, सूखा बेसन थोड़ी-थोड़ी मात्रा में मिलाते जायें, जिससे उस कच्चे बेसन का रंग भी उसके समान बन जाये। अब मिक्सचर को एक अलग थाली में निकाल कर ठण्डा होने दें। बाद में एक किलो बेसन के लिये 600 ग्राम के हिसाब से शक्क र का बूरा, थोड़ा खसखस एवं पिसी इलाइची मिक्स कर दें। अब इसका लड्डू बना लें।

सिंधी हलवा बनाने की विधि

गेहूं के आटे को रोटी बनाने जैसा गूंथें। चार-पाँच घण्टे बाद टब में पानी लेकर छलनी में आधा-आधा किलो गूंथा आटा लेकर, हाथ से छलनी सहित आधा हिस्सा पानी में डुबोकर धीरे-धीरे धोते रहें। अब ऊपर बचे स्पंजदार लच्छे को सुखा व उबालकर मसालेदार अच्छी सब्जी बना सकते हैं। चार-पाँच घण्टे बाद जब सारा स्टॉर्च पानी के नीचे बैठ जाए तो ऊपर का पानी निकाल स्टार्च को तीन-चार दिन तक खट्टा होने के लिये रख दें। गाढ़े स्टार्च को मैदे की छाननी से तीन-चार बार छानकर वेस्ट मैटेरियल को बाहर फेंक दें और बचे हुए पदार्थ को दो किलो शक्कर एवं एक किलो पानी के अनुपात की चासनी बनाकर थोड़े दूध द्वारा साफ कर भट्टी पर चढ़ी गरम कढ़ाही की चासनी में स्टार्च मिला दें। कुछ समय मिक्स करने के बाद खसखस एवं नारंगी रंग भी डाल दें। फिर खुर्पे से चलाते हुए करीब 10 मिनट बाद इतनी मात्रा में उसमें तेल डालें जिससे उसे चलाने में आसानी हो जाये। अब आग तेज कर हिलाते हुए करीब पच्चीस मिनट बाद उसमें नीबू का रस इतना डालें कि खटटा-मीठा का बैलेंस हो जाये, पुनः दस मिनट तक हल्की आग पर मिक्स करें। पेस्ट में अब कटा हुआ काजू, पिस्ता एवं बादाम मिलाकर चलाते रहें। जब प्रस्तुत द्रव्य, पात्र (कढ़ाही) से अलग होते जाएं अर्थात् दीवार से चिपकना बन्द हो जाये तो निर्मित वस्तु को निकाल बड़ी थाली में बेलन-चकले से फैला दें। बारीक कटा पिस्ता-बादाम डाल दें, ठण्डा होने पर चाकू से बरफी सदृश्य काट लें। सिन्धी हलवा भोग लगाने के बाद सेवन को तैयार है।

मैसूर में संतों-महात्माओं ने दादी जानकी का किया सम्मान

102 वर्षीय राजयोगिनी दादी जानकी की उर्जा और अध्यात्म की पराकाष्ठा देखकर संत हुए प्रफुल्लित

मैसूर के ज्ञान सरोवर में आयोजित संत समागम में उपस्थित संतों के साथ 102 वर्षीय राजयोगिनी दादी जानकी।

शिव आमंत्रण, मैसूर। मैसूर - कर्नाटक के ज्ञान सरोवर में आयोजित कर्नाटक संत समागम में दुनिया की पहली मुख्य प्रशासिका का दर्जा हासिल कर चुकी 102 वर्षीय राजयोगिनी दादी जानकी ने शिरकत की और कहा, कि शांति, पवित्रता और धैर्य एक स्वस्थ समाज के लिए महत्वपूर्ण है जो कि बुद्धियोग परमात्मा से लगाने पर स्वतः ही हासिल हो जाती है। साथ ही उन्होंने संतों की जमकर महिमा भी की। देशभर से आये सैकड़ों नामचीन संत दादी की उर्जा और अध्यात्म की पराकाष्ठा देखकर प्रफुल्लित हुए और दादी को सम्मानित किया।

दादी ने कहा, कि भगवान ने उन्हें जानकी नाम के साथ साथ कनेक्शन, रिलेशन और कम्यूनिकेशन जैसी की दी है जिससे वे सदा शांत व खुश रहती है।

केक काट मनाई खुशियां

अटेनिंग सुपरलेटिव कल्चर थ्रू द पावर ऑफ गॉड विषय पर आयोजित इस इवेंट के दौरान संस्थान की 82वीं वर्षगांठ और 102 वें जन्म दिन के उपलक्ष्य में संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बीके करूणा, मैसूर सबजोन प्रभारी बीके लक्ष्मी, ओआरसी की निदेशिका बीके आशा, वीवीपुरम सबजोन की मुख्य संयोजिका बीके अंबिका समेत सभी उपस्थित संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारियों व संतों-महात्माओं ने कैंडल लाइटिंग कर व केक काटकर खुशियां मनाई। कार्यक्रम में महालिंगा और उनके ग्रुप ने सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

संतों के कारण भारत की महिमा महान

श्री सिद्धगंगा श्रीक्षेत्र के श्री सिद्धलिंग महास्वामी, श्री रामकृष्ण आश्रम के अध्यक्ष स्वामी आत्मज्ञानानंद ने अपने संबोधन में बलिदान, तपस्या व सेवा के महत्व को समझाया। साथ ही संस्थान के अन्य वरिष्ठ जनों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, कि भारत के संतों के कारण ही भारत की महिमा इतनी महान है। इस विशाल संत सम्मेलन के दौरान कर्नाटक के विभिन्न हिस्सों से 250 से भी अधिक संतों का सम्मान किया गया।

छत्तीसगढ़ के सभी स्कूलों में योग कक्षा का प्रस्ताव

उच्च शिक्षा मंत्री पाण्डेय रखेंगे बजट सत्र में प्रस्ताव

बीके मंजू को अभिनंदन पत्र भेंट करते प्रदेश के गृहमंत्री रामसेवक पैकरा।

शिव आमंत्रण, दुर्ग। छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा एवं राजस्व मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने योग प्रशिक्षण की सराहना करते हुए कहा, कि आने वाले बजट सत्र में छत्तीसगढ़ के सभी स्कूलों में योग की कक्षा चलाने का प्रस्ताव रखा जाएगा। उक्त विचार उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग द्वारा स्थापित छत्तीसगढ़ योग आयोग के द्वारा दुर्ग में अमलेश्वर के हार्टफुलनेस आश्रम में 7 दिवसीय मास्टर योग प्रशिक्षण शिविर में व्यक्त किये। गृहमंत्री रामसेवक पैकरा ने योग को जन-जन तक पहुंचाने के इस आंदोलन को प्रोत्साहित किया। महिला एवं बाल विकास व समाज कल्याण मंत्री रमशीला साहू ने अनेक स्थानों पर योग का प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति दी। कार्यक्रम में बिलासपुर व सरगुजा संभाग के 65 विकास खण्डों के लगभग 500 प्रतिभागियों ने सफलतापूर्वक हिस्सा लिया। इस शिविर में बिलासपुर के टिकरापारा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मंजू ने बौद्धिक सत्र में सात दिनों तक राजयोग के रहस्यों, स्लीप मैनेजमेंट, तनावमुक्त जीवनशैली, तन-मन-धन और संबंधों की स्वच्छता जैसे अनेक विषयों पर अपने अनुभवयुक्त व्याख्यान दिए।

घरेलू उपचार को गहराइयों से समझाया : इस मौके पर छत्तीसगढ़ आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने आसन, प्राणायाम व घरेलु उपचार की गहराईयों को समझाया। अंत में गृहमंत्री रामसेवक पैकरा ने बीके मंजू को अभिनंदन पत्र भेंटकर सम्मानित किया व छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा एवं राजस्व मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने स्मृति चिन्ह भेंट की।

महापौर से की ईश्वरीय ज्ञान पर चर्चा

शिव आमंत्रण,गोरखपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय गोरखपुर के शाहपुर सेंटर की बीके पारूल और बीके बेला द्वारा नवनिर्वाचित महापौर सीताराम जायसवाल से काफी देर तक ईश्वरीय ज्ञान चर्चा करने के बाद उनको माउंट आबू आने का निमंत्रण देते हुए ईश्वरीय सौगात भेंट की। इस अवसर पर संस्था के अन्य लोग भी उपस्थित थे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से गोरखपुर महोत्सव में लगाए गए आध्यामिक स्टॉल के अवलोकन के लिए महापौर का आमंत्रित करती हुई।

सम्पादकीय

श्रेष्ठ कर्मों से समाप्त होगा विकर्म का तूफान

हम यह बात इसलिए कर रहे है कि जिस धर्म और अध्यात्म के बूते पूरे विश्व में भारत की अलग पहचान है। यदि उससे ही लोगों का विश्वास उठने लगे तो यह कई मायनों में अध्यात्म की शक्ति पर चाहे अनचाहे सवाल खड़ा कर देता है। हालांकि जो लोग अध्यात्म की लौ निरंतन अंतस में जलाये रखते हैं। उससे सिर्फ और सिर्फ उजाला ही मिलता है। कुछ वर्षों में जिस तरह से विकर्म के तूफान से धार्मिक और आध्यात्मिक गुरू धाराशायी हुए है उससे निश्चित तौर पर अब हर संस्था को लोगों को संदेह की दृष्टि से देखने लगे हैं। लेकिन भारत अध्यात्म प्रधान देश है और यहां की परम्परा में ईश्वरीय शक्ति का प्रवाह है। इसलिए आध्यात्मिक पथिकों को ईश्वरानुभूति हो ही जाती है जो उन्हें थामे रखती है। भले ही वे ईश्वर के रूप और नाम को यथार्थ नहीं जानते हैं। कुछ समय पूर्व से ही आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के संचालक विरेन्द्र दीक्षित पर संगीन आरोप लगे और देशभर में उसके आश्रमों पर पुलिस की छापेमारी हुई। उससे लोगों को फिर एकबारगी फिर से आस्था हिल गयी। एक बात यह स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि विरेन्द्र दीक्षित द्वारा संचालित आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के लोग अपने आप को ब्रह्माकुमारीज संस्थान का बताने लगते है। परन्तु यह बिल्कुल ही असत्य है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान का आध्यात्मिक विश्वविद्यालय अथवा विरेन्द्र दीक्षित से कोई सम्बन्ध नहीं है। और ना ही उनके लोगों द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का उत्तरदायी है।

परमात्मा से सीधा बातचीत करने का रास्ता बताती है ब्रह्माकुमारीज संस्थान

मेरी कलम से

सिद्धार्थ शुक्ला
फिल्म एक्टर

छोटे पर्दे के चर्चित चेहरे तथा बालिका वधू, अजनबी, दिल से दिल तक, बिग बास 9 के विजेता समेत दर्जन भर धारावाहिकों के अभिनेता तथा मॉडल सिद्धार्थ शुक्ला दो दिन तक भागदौड़ भरी वाली जिन्दगी से दूर राजयोग ध्यान और मेडिटेशन करने के लिए ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि मुझे कई स्थानों पर जाना हुआ है लेकिन यहॉ परमात्मा से कभी भी और कही भी बात की जा सकती है।

यह तरीका सिर्फ यहॉ सीखने को मिला है। राजयोग, ध्यान ओर आध्यात्मिक ज्ञान मनुष्य के जीवन के लिए अति जरूरी है। इससे ही मनुष्य का आंतरिक विकास होगा। माउण्ट आबू एक आध्यात्मिक नगरी के रूप में पहचान बना रहा है। यहॉ पर अच्छी लोकेशन है और यहॉ अच्छी धारावाहिकें बन सकती है। यहॉ के सरकार को यहॉ के परमिशन तथा अन्य आवश्यकताओं पर ध्यान दे तो यहॉ हर प्रकार की फिल्में भी बन सकती है।

बातचीत करते हुए कहा कि रील लाईफ से रियल लाईफ बिल्कुल अलग है। जब हम सूटिंग और फिल्मों से अलग जब घर में होते है तो एक आम आदमी सरीखे ही लाइफ होती है। मॉता पिता के साथ रहना, घर का काम करना।

जैसे दर्शक, वैसी फिल्में

दर्शकों को कभी नहीं सोचना चाहिए कि फिल्म अभिनेताओं की जिन्दगी अलग होती है। फिल्मों द्वारा फैल रही फूहड़ता के सम्बन्ध में पूछे गये सवालों का जबाब देते हुए कहा कि यह सत्य है कि कुछ वर्षों में खुलापन आया है। इससे समाज का असर बुरा तो पड़ रहा है परन्तु दर्शकों को भी ऐसी फिल्में अथवा धारावाहिक देखने परहेज करना चाहिए। जिससे कि निर्माता इस तरह के फिल्मों का निर्माण ना करें।

मेहनत से हासिल करें मुकाम

किसी भी व्यक्ति के अन्दर यदि मेहनत और कला है तो वह कोई भी मुकाम हासिल कर सकता है। इसके लिए कड़ी प्रयास करने की जरूरत होती है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान में दो दिनों तक मैने आकर महसूस किया है कि अध्यात्म और राजयोग से मन की शांति प्राप्त की जा सकती है। जो हर व्यक्ति के लिए जरूरी है। मैं कई संस्थाओं में गया हूँ परन्तु यहॉ परमात्मा से संवाद करने का सीधा तरीका है। दादी जानकी जी 102 वर्ष की उम्र में भी इतनी उर्जावान है यह सब अध्यात्म का ही कमाल है।

माइंड पॉवर

प्यारी मुस्कान, समस्याओं का समाधान

बीके शक्ति
मोटिवेशनल स्पीकर

आप कोई भी समस्या का हल कर सकते हैं। तो जो लोग अपनी मन रूपी शक्ति को, मन रूपी कुल्हाड़ी को तेज नहीं करते उनको क्या कहा जाएगा? उनको मूर्ख कहा जाएगा। लेकिन आप बहुत महान हैं जो आपका यहां आना हुआ। आप एक बहुत धनी आत्मा है और आप यहां सीखेंगे कि कैसे अपने मन रूपी कुल्हाड़ी को तेजधार करना है । ना केवल हमारी मन रूपी कुल्हाड़ी से हमारी मन की शक्ति तेज होती है बल्कि जीवन में आने वाली सभी तरह की समस्याओं को हम जीत पाते हैं। देखिए संसार में ऐसे बहुत से लोग हैं जिनके हाथ नहीं होते जिनके पैर नहीं होते लेकिन फिर भी वह सब काम कर लेते हैं मन रूपी शक्ति को तेजधार करके ।

आपने पैरा एथलीट का नाम तो सुना ही होगा पैरा एथलीट में सभी ऐसे है जिनमें से किसी के हाथ नहीं है, किसी का पैर नहीं है, किसी की आंखें नहीं है, लेकिन वह व्यक्ति संघर्ष करक मेडिटेशन के द्वारा अपनी मन रूपी कुल्हाड़ी को तेजधार करके अपनी लाइफ में अपने जीवन में सफलता पा रहे हैं। जैसा कि हमारा विषय है आंतरिक शक्तियों द्वारा कैसे हम अपने जीवन में अपने पावर को एक्टिवेट करें । ग्रामीण जीवन में कैसे अपनी शक्तियों को एक्टिवेट करें । तो मैं आपको जो भी बताऊंगा आप उसका प्रेक्टिकल कर सकते हैं । राजयोगा मेडिटेशन जो है वह हर चीज का प्रैक्टिकल है । मैं आपको एक छोटा सा उदाहरण देना चाहूंगा। आप सभी सीधे होकर बैठ जाएं रीड की हड्डी बिल्कुल सीधी कर लें । आप सभी एक बार मुस्कुराइए। आपको हंसना नहीं है सिर्फ मुस्कुराना है। अब आप मुस्कुराते हुए कोई एक नेगेटिव थॉट सोचकर बताइए जैसे कोई टेंशन की बात, कोई खेती से रिलेटेड बाते , परिवार की कोई बुरी बात। तो जब आप मुस्कुराते हैं तब आपके मन में कोई भी नेगेटिव बात नहीं आ सकती । जब आप मुस्कुराते हैं तो 50त्न बीमारियों से बच जाते हैं कहने का मतलब यह है कि अब आपके पास एक चॉइस है या तो आप मुस्कुराइए और या फिर आप 500000 रुपए का इंश्योरेंस ले लीजिए । तब आप क्या करेंगे आप मुस्कुराएंगे या हेल्थ इंश्योरेंस लेंगे । कहां जाता है कि जितनी भी बीमारियां होती है वो सब नेगेटिव थॉट से होती है । यदि हम मुस्कुराएंगे नहीं तो हमारे मन में नेगेटिव थॉट आएगा और

उस से बीमारियां होंगी और यदि हम मुस्कुराते हैं तो परमात्मा उसे कहते हैं कि आपके चारों तरफ सुरक्षा कवच बन जाता है जिससे नेगेटिविटी आपको टच भी नहीं कर पाएगी । आपने यह प्रैक्टिकल में भी देख लिया की मुस्कुराते हुए कोई भी नेगेटिव थॉट नहीं आ सकता । हमारे एक भाई ने बहुत अच्छी बात कही थी कि जब हम मुस्कुराते हैं तो सामने वाला भी हमें देखकर मुस्कुराएगा जिससे नेगेटिविटी दूर होती चली जाएगी और जो आपको देखकर कोई दूसरा भी मुस्कुराएगा उसकी नेगेटिविटी खत्म हो जाएगी तब वह व्यक्ति आपको दुआएं भी देगा। तब आपके जीवन की अपने आप प्रोग्रेस होगी । अब आप मे से किस-किस को गुस्सा आता है । अब मैं आपको बताता हूं कि यह प्रोग्राग आप अपने जीवन में धारण करने के बाद आपको गुस्सा जीवन में आएगा ही नहीं । आप चाहेंगे तब भी गुस्सा नहीं कर पाएंगे । डॉक्टर ने एक बहुत बड़ी रिसर्च की कि एक व्यक्ति को अपने हवाले में लिया और उसके अंदर एक एंडोस्कोपिक कैमरा डाला गया और उस व्यक्ति को जबरदस्ती क्रोध दिलाया गया । जब भी वह व्यक्ति गुस्सा करता तभी उस व्यक्ति के गले में से खून निकलता और एंडोस्कोपिक कैमरे की मदद से डॉक्टर यह सब देखता। जब भी व्यक्ति गुस्सा करता उसकी गले से खून निकलता और वह नीचे पैंक्रियास में अंदर चला जाता और धीरे-धीरे उसके गुस्से ने भयावह रुप ले लिया और वह खून बाद में कैंसर का कारण बन गया । मतलब वह गुस्सा कैंसर का कारण बन गया । वह डॉक्टर को कहता है कि मैंने आज तक कभी भी धूम्रपान नहीं किया ना ही मैं सिगरेट पी.....क्रमशः

और हमेशा के लिए शांत हो गया बच्ची का गुस्सा

एक बार हमारा एक प्रोग्राम स्कूल में हुआ। एक बच्ची थी जो बहुत ज्यादा गुस्सा करती थी अगर मैडम उसे कुछ भी कहती तो मैं तुरंत उसका जवाब उल्टा दे देती उसने बहुत अच्छे से हमारा प्रोग्राम देखा और उसे यह बात समझ आ गई कि गुस्सा करने से गले में से खून निकलता है और वह खून फिर अंदर पेट में चला जाता है जिसकी वजह से कैंसर हो जाता है । तब 1 दिन मैडम ने उस पर गुस्सा किया की बच्ची तुमने होमवर्क नहीं किया आपने स्कूल का काम पूरा नहीं किया गया । मैडम उस पर गुस्सा कर रही थी तो मैडम ने देखा कि वह बच्ची पहले हमेशा किसी भी बात का उल्टा जवाब दे देती थी आज बिल्कुल शांत, चुपचाप खड़ी होकर मेरी बातें सुन रही है और मेरे गले को देखने लग रही है ।

योगासन

वृक्षासन योग विधि, लाभ और सावधानी

वृक्षासन दो शब्द से मिलकर बना है 'वृक्षआसन', वृक्ष का अर्थ पेंड़ होता है और आसन योग मुद्रा की ओर दर्शाता है। इस आसन की अंतिम मुद्रा एकदम अटल होता है, जो वृक्ष की आकृति की लगती है, इसलिए इसे यह नाम दिया गया है। यह बहुत हद तक ध्यानात्मक आसन है जिसका बहुत अच्छा विवरण पुराने राजाओं के अभ्यास में मिलता है जैसेकि राजा अशोक। यह आपके स्वास्थ के लिए ही अच्छा नहीं है बल्कि मानसिक संतुलन भी बनाये रखने में सहायक है।

वृक्षासन योग कैसे करें ?

वृक्षासन योग करने का आसन तरीका यहाँ पर बताया गया है। इसका अनुसरण करते हुए आप इसको आप बिना किसी विशेषज्ञ के अपने घर पर

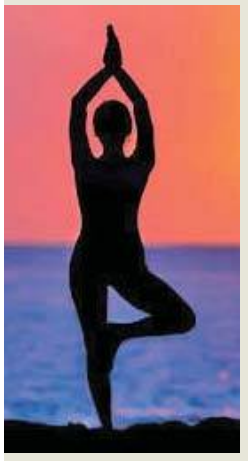

आसानी से कर सकते हैं।आप सबसे पहले सीधा खड़े हो जाएं या ताड़ासन में आ जाएं। पैरों के बीच की जगह को कम करें और हाथों को सीधा रखें। दायां पैर उठाएं और दाएं हाथ से टखना पकड़ लें। दाईं एड़ी को दोनों हाथो की सहायता से बाईं जांघ के ऊपरी भाग यानी जोड़ पर रखें। पंजों की दिशा नीचे की ओर हो और दाएं पांव के तलवे से जांघ को दबाएं। ध्यान रहे मुड़े हुए पांव को दूसरे पांव के साथ समकोण बनाए। अब हथेलियों और अंगुलियों को प्रार्थना की मुद्रा में जोड़े, ऊपर उठाएं और छाती पर रखें फिर धीरे-धीरे उठाकर सिर से ऊपर ले जाएं। आपके दोनों हाथ सिर से सटे होने चाहिए। कुछ समय तक शरीर का संतुलन बनाए रखें और इस अवस्था अपने हिसाब से धारण किये हुए रहे। अब हाथ नीचे ले जाएं और मूल अवस्था में लौट आएं। फिर इसी प्रक्रिया को दूसरे तरफ से करें। यह एक चक्र हुआ। इस तरह से आप 3 से 5 चक्र करें।

वृक्षासन योग लाभ

वृक्षासन घुटने के दर्द के लिए घुटने से पीड़ित मरीजों को इस आसन का अभ्यास करनी चाहिए। इस आसन के नियमित अभ्यास से घुटने के दर्द से आप हमेशा हमेशा के लिए छुटकारा पा सकते हैं। अगर घुटने में ज्यदा दर्द हो तो इसको किसी विशेषज्ञ के निगरानी में करनी चाहिए।

दादी जानकी
मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज

चैलेन्ज में पास होना है तो शान्त रहना सीखो

भक्ति में कहते हैं भगवान आपकी याद आती है। भल याद में मेहनत है परन्तु इसकी बहुत-बहुत जरूरत है क्योंकि इसके बिगर हम विकर्माजीत नहीं बन सकेंगे। पुराने अनेक जन्मों के विकर्म विनाश हो जायें और हम विकर्माजीत बन जायें तब तो सूर्यवंशी घराने में आयेंगे। जरा सा विकर्माजीत बनने में कमी रह गयी, भूल से भी विकल्प आया तो सूर्यवंशी घराने की टिकट नही मिलेगी। उसमें राज्य पद और प्रजा पद है। बाबा ने कहा - मैं प्रजा योग सिखाने नहीं आया हूँ, मैं राजयोग सिखाने आया हूँ और हमारे भारत का प्राचीन राजयोग मशहूर है। उसका हम ही समझ सकते हैं बाबा ने कैसे कल्प पहले भी सिखलाया था, अभी भी सिखला रहे हैं फिर भी सिखलाते ही रहेंगे।

यह एक रूहानी यात्रा है, इसमें हम सभी साथी है। यह न सिर्फ कहते हैं, सिर्फ राह दिखाते हैं, परन्तु हम भी जा रहे हैं, तुम भी चलो । ले जाने वाला बाबा ले जा रहा है। तो ऐसी लीला को देख करन-करावनहार बाबा याद आता है।

भक्ति मार्ग में कोई थोड़ा भी देव दर्शन करता तो समझते मेरा बड़ा भाग्य खुला और यहाँ तो खुद दर्शनीय मूर्त बन जाते हैं, सिर्फ दर्शन नहीं करने आते हैं लेकिन जी चाहता हैं जिनके दर्शन कर रहे हैं-ऐसा मैं भी बन जाऊं-यह कितना अच्छा है। बाबा भी कहता सेकण्ड में जीवनमुक्ति। स्मृति आ जाती है कि ऐसे मै आगे भी बनी थी, बीच में चक्कर लगा करके क्या से क्या बन गयी। जिसको बाबा कहते है स्टीम्बर टूटता है तो कोई टूकड़े कँहा जाता है, कोई जाता..... एक गीत भी है-दिल के टूकड़े हजार हुए कोई कहाँ गिरा , कोई कहाँ गिरा...। हम सबको ऐसा दिलवाला बाबा घड़ी-घड़ी क्यों याद

आता है? क्योंकि जो दिल टूकड़े - टूकड़े हुई पड़ी थी, दिल दुःखी हुई पड़ी थी,दिलवाला बाप ने दिल ले करके इतना खुशनसीब बना दिया है जो अपने नशीब को देख दिल बाबा के गुण गाती है। तो याद आता है ना ! याद करना पड़ता है या याद आता है? हर सीन देखते, मुरली सुनते बाबा याद आता है। हमारा भविष्य बाबा ने अपने हथों में लिया है तो याद आता है। कोई चिंता नहीं कोई फिकर नहीं है, तो बाबा याद आता है।

जिसने चिंताओं से छुड़ा करके अपने स्व के चिंतन में हमको लगा दिया है, तो याद आता है। अभी कोई चिंतन और परचिंतन से अभी फ्री हो गये हैं क्योंकि ज्ञान सागर बाबा इतना अथाह ज्ञान दे रहा है जो लिखने चाहे तो लिख नहीं सकते हैं। यह गायन यहाँ का है- सागर को स्याही बनाओ, झाड़ो को कलम बनाओ ,धरती को काग्ज बनाओ। शुरू से लेकर मीठे बाबा के मुख द्वारा जो इतनी अच्छी मीठी-मीठी ज्ञान की बाते सुनी हैं वो हाथों का जितना कागजों पर खर्चा है उतना औरा कोई बात पर नहीं है। क ागज फिर स्याही, प्रिन्टिग इस पर ही बहुत खर्चा है। और ब्राह्मणों को चाहिए भी क्या? बाबा की मुरली चाहिए।

बाबा कहता है दिल में ज्ञान सागर बाप को इतना बिठा दो जो तुम्हीं ज्ञान गंगा बन जाओ। गंगा निकली कहाँ से? भागीरथ के मस्तक से. .... तो याद आता है । कई कहते हैं याद करना पड़ता है, हम कहते हैं हमको याद आता है। और कोई याद आ ही नहीं सकता है। और कोई मुझे याद कर भी नहीं सकता है। याद करेंगे तो उनकी बुद्धि भी ईश्वर में लटक जायेगी, भल करे। वह भी पूछ लटकाता यहाँ पहुँच जाये, उसका भी उद्धार हो जाये। हमारा आधार कौन है? एक बल एक भरोसा। इस निश्चय में विजय है।

बाबा की याद में रहना, दुआ लेना

याद में रहना माना अपने ऊपर दया करना और बाबा की दुआ लेना। अभी अपने ऊपर कृपा करनी है, रहम करना है-जो हमारे किये हुए पाप नाश हो जायें,उसके लिये याद अच्छी तरह से करना है। और अब हमारे से कोई विकर्म न हो तो मैं राजाओ का राजा बनूँ। हम देख रहे है बाबा राजाओं का राजा बनाता है। कलियुग में भी जो राजायें सच्चे, अच्छे होंगे उसका भक्ति मार्ग का मन्दिर बड़ा अच्छा बना हुआ होगा क्योंकि वह समझते हैं- हम राजाओं का भी वह राजा है। भारत के राजाओं ने कोई हिंसा से राजाई नहीं ली है और सब देशें मे और धर्म वाले लड़ करके राजाई लेते है। लेकिन भारत के राजयें लड़ाई जानते नहीं क्योंकि बाबा ने हमको अहिंसक बना करके योगबल से राजाओं का राजा बनाया है। योगबल से हम राजाई ले रहे है। योगबल से हम पहले मायाजीत फिर प्रकृतिजीत बनते है। माया को भी चैलैन्ज करते हैं। जैसे हनुमान ने रावण को चैलेन्ज किया तुमको तो मारूँगा पर तेरी लंका को भी जला दूँगा । माना यह सारी दुनिया ही बदल जायेगी। यह दुनिया कैसे बदलेगी? योगबल से। हम बदलेंगे तो दुनिया बदलेगी।

बीके ऊषा
वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका, माउंट आबू

खुद निर्णय लो, कौन सा सम्बन्ध ईश्वर से जोड़ना है

परमात्मा को स्वार्थ से याद करने का तात्पर्य यह है कि वह बार-बार भगवान के साथ एक व्यापारिक सम्बन्ध जोड़ता हैं। कोई भी काम हो जिसमें वह स्वयं को असमर्थ महसूस करता है तो वह कार्य पूर्ण करने लिए अपनी स्वार्थ पूर्ति के लिए परमात्मा को याद करता है और विनती करता है कि हे प्रभु मेंरा इतना काम हो जाए तो दो नारियल चढ़ा देंगे। भावार्थ इस काम का भाव दो नारियल है, अगर भगवान कर देगें तो उसको वह नारियल चढ़ा देंगे और अगर नहीं किया तो?

स्वाभाविक है कि नहीं चढ़ाएंगे। अगर कोई बड़ा काम हो तो परमात्मा के आगे मिन्नतें करेंगे और मन्नत मानेगें कि 101 रुपया का चढ़ावा चढ़ा देंगे या 1001 रुपया चढ़ावा चढ़ा देंगे । जैसा जैसा काम पूरा होगा वैसा वैसा भाव हम लगाएंगे। उसमें भी कभी कभी देखा जाता है कि काम हो जाता है तो भूल जाते हैं कि मैने ऐसी मन्नत भी मन्नत भी मानी थी। फिर जब दुबारा ऐसी परिस्थिति आती है तब याद आता है कि अरे पहले वाली मन्नत भी पूरी करनी बाकी है।

जब मनुष्य भगवान को भय से याद करते है तो मनुष्य के मन में हमेशा परमात्मा का डर बना रहता है। जैसे मान लो कोई व्यक्ति भगवान के सामने यह मन्नत मनता है कि वह प्रतिदिन पाँच हजार बार माला फेरेगा, वह हर रोज नियमित रूप से माला फेरता भी है परन्तु मान लो किसी दिन ज्यादा काम की वजह से नहीं फेर सके तो उसके मन में एक भय बना रहेगा कि आज 5 बार माला नहीं फेरी अब भगवान नाराज हो जायेगें और श्राप दे देंगे। सोचने की बात यह है कि भगवान नाराज क्यों होंगे वह श्राप क्यों देंगे ? आज मान लो आपका बेटा हो और आप ने उसे कोई काम दिया हो और वह कर न सके तो क्या आप उससे नाराज होकर श्राप दे देंगे? इसका मतलब तो यह हुआ कि वह भगवान को प्यार से याद कर माला नहीं फेर रहे थें लेकिन श्राप के भय से माला फेर रहे थे। तभी तो किसी ने सही कहा है- भगवान को याद करो तो प्यार से करो, भय से नहीं। (don’t be god fearing children but be god loving children).

कई लोग भगवान को जब याद करते हैं तो जो कुछ उनके पास है उसके लिए भगवान का शुक्रिया नहीं करते लेकिन जो चीज उनके पास नहीं होती उसकी शिकायतें जरूर करते हैं। जैसे पड़ोसी के भाग्य को देखकर भगवान से शिकायत रहती कि ‘हे प्रभु, मेरे पड़ोसी का भाग्य तो इतना अच्छा है, मेरा भाग्य ऐसा क्यों नहीं? मेरा भाग्य लिखते समय तुम व्यस्त हो गये थे क्या?’ ऐसी शिकायतें जरूर रहती है। कई बार लोग अज्ञानता के कारण ईश्वर से गलत सम्बन्ध जोड़ लेते, जैसे कह देते - ‘हे प्रभु, मैं तेरे चरणों का दास हूँ या तेरे चरणों की धूल हूँ’ या फिर भगवान को बहुत उच्च और स्वयं को नीच समझ लेते। अब समझने की बात यह है कि एक तरफ मनुष्य प्रार्थना में यह गाता है तुम मात-पिता हम बालक तेरे और दूसरी तरफ स्वयं को दास समझता , तो आखिर वह क्या है, बालक या दास क्योंकि

दोनों एक साथ नहीं बन सकता या तो वह बालक है या तो वह दास है। अब दोनों सम्बन्धों में अन्तर क्या है ? जैसे घर में बालक होता है या दास या नौकर होता है। दास का घर में कोई अधिकार नहीं होता । वह मालिक ऊँच और स्वयं को सेवक ही समझता है। मान लो उसे कुछ पैसे की आवश्यकता हो और वह मालिक के सामने जाता है और बड़े संकोच के साथ मालिक से कहता है कि उसे पाँच सौ रुपए की आवश्यकता है, तो मालिक उसे तुरन्त निकाल के नहीं दे देता परन्तु पूछेगा कि क्या काम है? जब वह कार्य का उद्‌देश्य स्पष्ट करता है और मालिक को महसूस होता है कि वह ज्यादा ही मांग रहा है तो वह उसे आधा देकर कहेगा कि वैसे तेरा काम इतने में हो जाना चाहिए फिर भी अगर नहीं हुआ तो बताना। लेकिन वहीं अगर बच्चा आता है और उसे पांच सौ रुपए चाहिए तो वह अधिकार से अपने पिताजी से मांगता है और अगर पिता के पास पांच सौ रुपए नकद नहीं है और हजार रुपए का नोट है तो वही निकाल कर दे देता है। यह अंतर है एक दास और बालक के अस्तित्व में। अब हमें निर्णय लेना है हमें कौन सा सम्बन्ध ईश्वर से जोड़ना है? दूसरा कई बार मनुष्य भगवान के पास जाते हैं तो स्वयं को नीच और भगवान को बहुत उच्च समझ भजन गाते हैं कि हे प्रभु आप महान हो, श्रेष्ठ हो, आदि आदि और स्वयं के लिए कहते है कि मैं नीच,पापी, खल कामी, गंदा बंदा आदि आदि और सोचता है ऐसा कहने से प्रभु मेरे गुनाहों को क्षमा कर देंगे।

सोराब में धर्म सम्मेलन

मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना

शिव आमंत्रण, सोराब। धर्म मनुष्य को सुख व शांति से जीवन जीने की कला सिखाता है। लेकिन आज विडम्बना यह है, कि हम धार्मिक बातों का गुणगान तो करते हैं, लेकिन उसे धारण नहीं करते। ऐसी परिस्थिति में जरूरत है धर्माचार्यों को अपने आदि सनातन धर्म के प्रचार प्रसार की जिससे मनुष्य धर्म की श्रेष्ठता को समझ उसे धारण करने की ओर उन्मुख हो सके। ऐसे एक प्रयास की झलक कर्नाटक के सोराब में देखने को मिली जहां परमात्म शक्ति द्वारा सनातन संस्कृति की पुर्नस्थापना के लिए सम्मेलन आयोजित किया था।

सोरबा के धर्म संम्मेलन को संबोधित करते धर्माचार्य।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा रंग मंदिर में आयोजित इस सम्मेलन में हीरे मगदी मठ से आये श्री श्री शिवमूर्ति महास्वामी मुरूगा राजेंद्र ने कहा, कि अहंकार मानव की सुख और शांति को खत्म कर देता है इसलिये हमें चाहिये कि हम जीवन में नम्रता का गुण धारण करें।

माउंट आबू से आये धार्मिक प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके रामनाथ ने कहा, कि आज जो भारत पूरे विश्व में विश्वगुरू के नाम से जाना जाता है उसका मूल कारण यह है कि यहां के तपस्वियों ने अपनी साधना के आधार पर पवित्रता को बनाये रखा है।

सम्मेलन में धर्माचार्यों ने यह स्पष्ट किया कि भारतीय संस्कृति को पुनर्स्थापित करने एवं चरित्रवान जीवन बनाने के लिये परमात्म ज्ञान की धारणा अति आवश्यक है, क्योंकि परमात्म ज्ञान से ही जीवन में स्थायी सुख व शांति आ सकती है। इस अवसर पर गोगीहल्ली के पंच मठ से श्री श्री संगमेश्वर शिवाचार्य, श्री श्री डॉ. महंत महास्वामी, मुख्यालय माउंट आबू से आये बीके अच्युत, स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कुसुम समेत कई धर्मप्रेमी मौजूद थे।

राष्ट्रीय समाचार

नवनिर्वाचित महापौर नूतन राठौड़ का सम्मान

शिव आमंत्रण, फिरोजाबाद। यूपी के फिरोजाबाद स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर नवनिर्वाचित महापौर नूतन राठौड़, पार्षद हरिओम वर्मा, शकुन्तला देवी के सम्मान के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थी परिषद के प्रदेश अध्यक्ष मेजर डॉ. प्रभाकर राय ने सभी अतिथियों का परिचय कराते हुए बताया, कि उत्तर प्रदेश में 16 मेयर निर्वाचित हुए हैं जिसमें से नूतन राठोड सबसे ज्यादा शिक्षित व सबसे कम उम्र की महिला मेयर हैं। वे एजीओ में कार्य कर चुकी हैं और इसी अनुभव के आधार पर इस शहर को बहुत आगे लेकर जाएंगी। इस मौके पर महापौर नूतन राठोड ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नारा है 'सबका साथ सबका विकास'। मुझे भी सबके सहयोग से इस शहर का कायाकल्प करना है। इस दौरान सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सरिता ने महापौर नूतन राठोड, पार्षद हरिओम वर्मा और शकुन्तला देवी का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। बीके अंजना ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नानक चंद्र अग्रवाल समेत 350 से अधिक लोग मौजूद थे।

बीके बहनों को वूमेन एक्सिलेंस अवार्ड

शिव आमंत्रण, फरीदाबाद। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में फरीदाबाद की बीके प्रीति, इंदौर की बीके उमा और ग्रेटर नोएडा की बीके प्रीति को अंतर्राष्ट्रीय संस्था 'योग कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया' ने वूमेन एक्सिलेंस अवार्ड से सम्मानित किया। यह अवार्ड पूरे भारत की 51 महिलाओं को दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में प्रदान किया गया। इस मौके पर अन्य बीके सदस्य भी मौजूद रहे।

सदा सकारात्मक चिंतन करो

शिव आमंत्रण, कानपुर। कानपुर के कल्याणपुर सेवाकेंद्र पर शारीरिक एवं मानसिक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर मुंबई से आए नेवी के कैप्टन शिव कुमार ने प्रेज़ेंटेशन द्वारा बताया, कि हमारे विचारों का हमारे शरीर पर प्रभाव पड़ता है। इसलिए हमें सदा सकारात्मक चिंतन ही करना चाहिए तथा सभा में उपस्थित लोगों को कई प्रकार के शारीरिक व्यायाम भी कराए गए। इस दौरान वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक बीके प्रकाश ने राजयोग का जीवन में महत्व बताते हुए इसकी सहज विधि बताई। यह कार्यक्रम सेवाकेंद्र प्रभारी बीके उमा के मार्गदर्शन में आयोजित था जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. एस.पी. शर्मा, लखनऊ से कृषि विभाग के पूर्व सह निदेशक आर.आर. दिनकर, उद्योगपति हरीश बहरानी, जीडी वर्मा, पूर्व अधिशाषी अभियंता एस.एल. अग्रवाल मौजूद थे।

कलपेट्टा में नये सेवाकेंद्र की सेवाएं प्रारंभ

शिव आमंत्रण, कलपेट्टा। केरल के कलपेट्टा में नये सेवाकेंद्र ओम् निवास ईश्वरीय सेवा के लिए तैयार हो चुका है। विधायक सी.के श्रीधरन, भिलमा के अध्यक्ष पी.टी गोपाला कुरूप, गुरूग्राम के ओम् शांति रिट्रीट सेंटर निदेशिका बीके आशा, मैसूर सबज़ोन प्रभारी बीके लक्ष्मी, कोझिकोड सेवाकेंद्र प्रभारी बीके जलाजा, बीके शीजा, कलपेट्टा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शीला, कैलीकट सेवाकेंद्र की बीके शीबा ने ओम् निवास का शुभारंभ किया। इस दौरान अतिथियों ने शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए यह आशा जताई कि भविष्य में इस सेवाकेंद्र द्वारा अनेक लोगों का जीवन आध्यात्मिक गुणों और ईश्वरीय शक्ति से संवरेगा। बीके शीजा ने सभी को राजयोग मेडिटेशन द्वारा सुखद अनुभूति कराई।

ओम शांति रिट्रीट में हुआ युवाओं के लिए रूहानी उड़ान कार्यक्रम का आयोजन

शक्ति का स्त्रोत हैं परमात्मा : बेदी

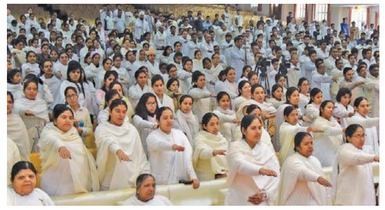

कार्यक्रम में युवाओं को चरित्रवान बनने की प्रतीज्ञा कराते राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, पूर्व क्रिकेटर बिशन सिंह बेदी, फिल्म अभिनेत्री प्रियंका कोठारी एवं अन्य।

वसुधैव कुटुंबकम की भावना से ही होगा आपसी स्नेह का संचार : दादी रतनमोहिनी

शिव आमंत्रण, गुरूग्राम। ये सारा विश्व एक परिवार है। आज हम भले ही अनेक धर्म, जाति एवं सम्प्रदायों में बटे हैं लेकिन हम सभी एक परमपिता परमात्मा शिव की संतान आपस में भाई-भाई हैं। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका और युवा प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी के हैं, जो उन्होंने ओम् शांति रिट्रीट सेंटर में युवाओं के लिए आयोजित रूहानी उड़ान कार्यक्रम में व्यक्त किए।

कार्यक्रम का उद्घाटन राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी बिशन सिंह बेदी, मुंबई से आयी फिल्म अभिनेत्री और समाज सेविका प्रियंका कोठारी, ओआरसी की निदेशिका बीके आशा, शक्तिनगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके चक्रधारी, युवा प्रभाग की संयोजिका बीके अनुसूईया सहित अनेक अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन से किया।

इस दौरान बिशन सिंह बेदी ने कहा कि शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक विकास का एक ही सोर्स है और वह है गॉड ऑलमाइटी। उन्होंने कहा कि, एक बार आप मेडिटेशन के माध्यम से ईश्वर से बात करके देखिए, उनके साथ संपर्क बनाकर देखिए, इससे जीवन में निश्चित रूप से सफलता के साथ-साथ सुख, शांति मिलेगी। मुंबई से आयीं फिल्म अभिनेत्री प्रियंका कोठारी ने कहा, कि 12 साल पहले उन्हें इस संस्था से जुड़ने का सौभाग्य मिला, ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा सिखाए जा रहे राजयोग से मेरे जीवन में काफी परिवर्तन आया है।

तकनीक के नहीं बनें गुलाम

ओआरसी की निदेशिका बीके आशा ने कहा, कि आज गुगल गुरू विश्व भर में प्रसिद्ध है। इसमें कोई संशय नहीं कि सेकेंड में हमें पूरी दुनिया की सूचना मिलती है, लेकिन आज मनुष्य के दिमाग का क्या हाल हो रहा है? इसलिए हमें टेक्नोलॉजी का यूज़ करना चाहिए लेकिन उसके गुलाम नहीं बनना है क्योंकि यदि आप ऊंची उड़ान चाहते हैं तो इस तरह के व्यर्थ चीजों से स्वयं का बचाव करें। कर्नल बीसी सती ने भी अपने सुंदर अनुभवों से युवाओं को लाभान्वित किया और मोटिवेशनल ट्रेनर बीके ई. वी. गिरीश ने कहा, कि जितनी राजयोग से आत्मा को खुशी मिल सकती है उतनी किसी और व्यक्ति व साधनों से नहीं मिल सकती है।

चरित्रवान बनने की प्रतीज्ञा

कार्यक्रम में युवाओं को अनेक गतिविधियां भी कराई गई। अंत में उपस्थित हजारों युवाओं से जीवन को श्रेष्ठ और चरित्रवान बनने की प्रतिज्ञा कराई गई।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान में बीके डॉ. सविता के विचार

समाज की मानसिकता को बेहतर बनाएं

शिव आमंत्रण ■ रायगड़ा

कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते अतिथि।

ब्रह्माकुमारीज़ के महिला प्रभाग एवं स्थानीय सेवाकेंद्र की ओर से रायगड़ा में जिला स्तरीय जन सचेतना कार्यक्रम 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और सशक्त बनाओ' का संपादन हुआ। मुख्य अतिथि राज्य सभा सदस्य एन भास्कर राव ने कहा, कि वर्तमान समय सबसे अधिक आवश्यक यह है कि बेटियों को पढ़ाना, सुरक्षा प्रदान करना, सशक्त बनाना, जो कि इस कार्यक्रम का लक्ष्य है यह अत्यंत ही सराहनीय है। उन्होंने संस्थान के सदस्यों को धन्यवाद दिया और अभियान की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी।

सी.डी.एम.ओ शिव प्रसाद पाढ़ी ने अपने विचार व्यक्त किये। जे.के. पेपर लिमिटेड के चीफ एजीक्यूटिव पवन कुमार सूरी, जी.आई.आई.टी के सचिव डॉ. चंद्र ध्वज पंडा, ऑटोनोमस कॉलेज के अध्यक्ष डॉ. के. सिल्वा राजू ने संस्थान द्वारा उठाए गए इस कदम को जमकर सराहा।

मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद महिला प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका बीके डॉ. सविता ने अपने सम्बोधन में कहा, कि आज हर क्षेत्र में चाहे वह सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक व आध्यात्मिक क्षेत्र हो सभी में नारी का योगदान काफी उच्च है, लेकिन समाज में कुछ बुरी मानसिकता वाले तत्वों से नारी की शिक्षा व सुरक्षा में भारी कमी आई है जो चिंता का विषय है, समाज की इसी मानसिकता को बदलने की ज़रूरत है ताकि बेटियों को गुणवान, चरित्रवान, प्रतिभावान बनाया जा सके जो कि राजयोग व आध्यात्मिक शक्ति से ही संभव है। माउण्ट आबू से आए बीके रूपेश ने सभी लोगों से अपनी दृष्टि और वृत्ति को बदलने की बात पर जोर दिया।

नवरंगपुर सबजोन प्रभारी बीके नीलम ने कहा, कि पहली गुरू मां है जो अपनी तपस्या, सेवा और सहनशक्ति से एक सशक्त परिवार बनाती है। बीके छाया ने सभी मंचासीन लोगों के विचारों को मद्देनज़र रखते हुए सभी का आभार माना। यह कार्यक्रम रायगड़ा सेवाकेंद्र संचालिका बीके श्रीमति के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस आयोजन से पूर्व जनजागृति के लिए शहर में रैली निकाली गई जिसमें बीके बहनों समेत संस्थान से जुड़े लोगों ने शामिल होकर बेटियों को शिक्षित व जागरूक करने का संदेश दिया। इस अवसर पर ज्ञान ज्योति भवन का भी उद्घाटन किया गया।

जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ बीके शिवानी को नारी रत्न सम्मान

शिव आमंत्रण, कोलकाता। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ बीके शिवानी के कलकत्ता पहुंचने पर रोटरी क्लब, जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइज़ेशन और ब्रह्माकुमारीज़ के सहयोग से स्प्रीचुअल टॉक का आयोजन किया गया। जिसमें बीके शिवानी ने दुआओं के बल से हर काम को सहज करने की युक्तियां बताई। इस दौरान बीके शिवानी को नारी र अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें यह अवार्ड जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइज़ेशन ईस्ट ज़ोन की डायरेक्टर सुमन जैन ने दिया। इस मौके पर रोटेरियन अविनाश अग्रवाल, पवन बगारिया, वीरेंद्र चौधरी, आर.एन. बंसल, जैन इंटरनेशनल की प्रेसिडेंट शीतल दुगर, जीवो मेडिकल चेयरपर्सन सुनीता मेहता, सेमिनार अध्यक्ष सपना जैन, आशुतोष मुखर्जी रोड सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके कानन मुख्य रूप से मौजूद थी।

नारी रत्नअवॉर्ड लेते हुए ब्रह्माकुमारी शिवानी।

राष्ट्रीय समाचार

वैशालीनगर सेवाकेंद्र की 20वीं वर्षगांठ मनाई

शिव आमंत्रण, जयपुर। जयपुर के वैशाली नगर सेवाकेंद्र की 20वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में दीप प्रज्ज्वलित कर व केक काटकर खुशियां मनाई गई। इस सेलिब्रेशन में फिल्म निर्माता और निर्देशक सरोश खान, जयपुर सबजोन प्रभारी बीके सुषमा व बीके चंद्रकला समेत अनेक वरिष्ठ सदस्य शामिल हुए। इस मौके पर बालिकाओं ने नृत्य व पंजाब के गायक ओम् प्रकाश ने गीत गाकर माहौल को खुशनुमा बनाया। सभा को संबोधित करते हुए बीके सुषमा ने कहा, कि चुभने वाले कड़वे और हृदयघात वाली बोली बोलने के बजाए स्नेह से बोलने तथा प्रेमपूर्वक व्यवहार करने का संकल्प लें ताकि ज़िंदगी भर के लिए सुखदपूर्ण यादगार बन जाए। इस दौरान फिल्म निर्माता और निर्देशक सरोश खान का जन्मोत्सव भी मनाया गया जिसमें बीके सुषमा ने उन्हें पूरे ईश्वरीय परिवार की ओर से शुभकामनाएं देते हुए सुंदर चित्र भेंट किया जिसमें नूर-ए-इलाही यानी परमात्मा के ज्योतिर्बिंदू स्वरूप के साथ-साथ उनकी तस्वीर भी मौजूद थी।

किताबी ज्ञान नहीं, देते है चरित्रवान जीवन बनाने की शिक्षा : अन्ना हजारे

शिव आमंत्रण, परबतसर। राजस्थान में नागौर के परबतसर में समाजसेवी अन्ना हजारे का ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय सेवाकेंद्र पर आगमन हुआ। जहां बीके शानू और बीके रेशू ने तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान अन्ना हजारे ने अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करते हुये कहा, कि यह संस्था किताबी ज्ञान देने के बजाए लोगों को एक चरित्रवान जीवन बनाने की शिक्षा देने का कार्य रही है। उन्होंने पूरे सेवा केंद्र का अवलोकन किया और अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा, कि यहां आकर मन को शांति मिली, समाजसेवी अन्ना हजारे ने अपने उद्बोधन में संस्थान की सेवाओं को ज़मकर सराहा। इस दौरान लायंस क्लब के अध्यक्ष रमेश चंद्र बोहरा, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष माथोप्रसाद व्यास एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

बदरपुर यूनिट में तनावमुक्ति शिविर

शिव आमंत्रण, बदरपुर। सकारात्मक विचार और स्व सशक्ति करण से ही तनाव से मुक्ति पायी जा सकती है इसलिए दिल्ली के बदरपुर के सीआईएसएफ यूनिट में 2 दिवसीय स्ट्रेस मैनेजमेंट वर्कशॉप का आयोजन किया गया। सीआईएसएफ और ब्रह्माकुमारीज़ के सुरक्षा सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में बदरपुर से आयी बीके किरण, झरका सेवाकेंद्र से बीके कमला, बीके सारिका, माउंटआबू से आए बीके वीरेंद्र, अंबाला कैंट से आए मोटिवेशनल ट्रेनर बीके कर्ण राणा ने पॉजीटिव थिंकिंग, हार्मोनियस रिलेशनशिप, आर्ट ऑफ लिविंग और स्लीप मैनेजमेंट जैसे अनेक विषयों की जानकारी दी। डीआईजी दयाल गंगवार ने ब्रह्मकुमारी बहनों से आगे भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करने की अपील की। एनटीपीसी के सीएमओ बीके मिश्रा, सीआईएसएफ के एआईजी संजय कुमार त्रिवेदी समेत 175 सीआईएसएफ जवान मौजूद थे। बीके बहनों को मोमेंटों भेंटकर सम्मानित किया गया व सीनियर ऑफिसर्स ने ब्रह्माकुमारी बहनों के इस प्रयास की सराहना की।

एक्सपो के जरिये ईश्वरीय संदेश

शिव आमंत्रण, पालघर। महाराष्ट्र के पालघर में इंडस्ट्रीज़ फेडरेशन और मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन की तरफ से आर्यन हाईस्कूल में 3 दिवसीय इंडस्ट्रियल एक्सपो का उद्घाटन डॉ. प्रशांत नरनवरे ने किया। इंडस्ट्रीयल फेडरेशन के प्रेसीडेंट जैसिंघ सिंघे उपस्थित थे। ब्रह्माकुमारीज़ के व्यापार और उद्योग प्रभाग ने भी इसमे हिस्सा लिया और स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका बीके हेमा ने ईश्वरीय साहित्य देकर डॉ. प्रशांत नरनवरे का स्वागत किया। एक्सपो में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा लगाए स्टॉल का अवलोकन सांसद चिंतामणि वणगा, बीजेपी लीडर लक्ष्मी हजारी समेत विशिष्ट लोगों ने किया।

सौर उर्जा से पूरी हो सकती है बिजली की जरूरतें

उत्तर प्रदेश सरकार की पार्लियामेंट्री स्टडी कमेटी का दो दिवसीय आबूरोड दौरा

शिव आमंत्रण ■ आबू रोड

उत्तरप्रदेश की पार्लियामेंट स्टडी स्टेंडिंग कमेटी सौर ऊर्जा की जानकारी लेते हुए।

उत्तर प्रदेश सरकार की पार्लियामेंट्री स्टडी कमेटी ने दो दिवसीय दौर पर माउण्ट आबू आकर माउण्ट आबू की विरासत, संस्कृति के साथ ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के शांतिवन का अवलोकन किया। इस दौरान उमरनी में ब्रह्माकुमारीज़ संस्था द्वारा संचालित सौर उर्जा थर्मल पावर प्लांट का भी भ्रमण कर जानकारी ली।

सौर उर्जा भ्रमण के दौरान पार्लियामेंट्री स्टडी कमेटी के सदस्य अभिभूत हो गये। कमेटी के चेयरमैन दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि सौर उर्जा का जिस तरह यहां इन्स्टालमेंट किया गया है इससे बिजली की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। क्योंकि राजस्थान में सौर उर्जा की प्रबल सम्भावना है। उन्होंने कहा, कि यदि उर्जा का सही उपयोग किया जाये तो बिजली की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। इस अवसर पर कमेटी के सदस्य लक्ष्मण आचार्य, लीलावती कुशवाहा, साहब सिंह सैनी समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान कमेटी के सदस्यों ने गॉडलीवुड स्टूडियो का भ्रमण किया तथा गॉडलीवुड स्टूडियो में हो रहे सकारात्मक परिवर्तन सम्बन्धी बनाये जा रहे कन्टेन्ट के बारे में भी जानकारी ली। इसके साथ ही स्टूडियो के प्रीव्यू थियेटर में संस्थान के गतिविधियों को देखा।

रेडियो मधुबन 90.4 एफएम को राजस्थान उर्जा संरक्षण पुरस्कार

राजस्थान उर्जा संरक्षण पुरस्कार प्राप्त करने वाले रेडियो मधुबन 90.4 एफएम के बीके सदस्य।

शिव आमंत्रण, जयपुर। आबूरोड के रेडियो मधुबन 90.4 एफएम को माउंट आबू और आस-पास के क्षेत्र में उर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए राजस्थान अक्षय उर्जा निगम द्वारा राजस्थान उर्जा संरक्षण पुरस्कार-2017 प्रदान किया गया।

जयपुर में यह अवार्ड राजस्थान उर्जा विभाग के प्रमुख सचिव संजय मल्होत्रा, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर आर.जी.गुप्ता, राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष बी.के. दोषी द्वारा रेडियो मधुबन के प्रमुख बीके यशवंत को प्रदान किया गया। इस दौरान वैशाली नगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके चंद्रकला, एनर्जी ऑडिटर बीके केदार भी उपस्थित थे।

बीके शिवानी ने किया डाक टिकट का अनावरण

हेम फेस्ट इंडिया डाक विभाग द्वारा डाक टिकट जारी

डाक टिकट का अनावरण करते हुए बीके सदस्य।

शिव आमंत्रण, कोलकाता। कोलकाता के साइंस सिटी में दो दिवसीय हैम फेस्ट इंडिया 2017 का आयोजन किया गया जिसमें भारत सरकार के डाक विभाग द्वारा इस कॉन्फ्रेंस के सम्मान में एक विशेष डाक टिकिट भी जारी किया गया। जिसका अनावरण ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ बीके शिवानी, बांगुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मधु, हैम फेस्ट इंडिया 2017 के संयोजक मोहम्मद आरिफ और हैम फेस्ट इंडिया 2016 के संयोजक बीके यशवंत के हाथों से किया गया। इस मौके पर बीके शिवानी और बीके मधु ने ईश्वरीय संदेश का लाभ पूरे भारत से आए हुए हैम रेडियो इंजीनियर्स को दिया। वायरलेस कम्यूनिकेशन सेवाओं से संबंधित नामीगामी लोगों के लिए हर वर्ष एक वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया जाता है जिसे हैमफेस्ट इंडिया कहा जाता है।

इसमें भारत सरकार के संचार मंत्रालय के द्वारा लाइसेंस प्राप्त हैम रेडियो लाइसेंस धारक विशिष्ट लोग आकर साल भर के लिए इस विधा पर हुए शोध और नवीनता के बारे में चर्चा एवं जानकारी का आदान-प्रदान करते हैं। इसी कड़ी में इस वर्ष का कार्यक्रम कोलकाता के साइंस सिटी में आयोजित किया गया था जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउंट आबू समेत पूरे भारत से करीब 600 अहम हैम रेडियो अभ्यासकर्ताओं ने भाग लिया था।

शिव आमंत्रण से विशेष चर्चा में डॉ. सुधा कांकरिया ने कहा

श्रेष्ठ संस्कारों के बीजारोपण का युग, संगमयुग

शिव आमंत्रण ■ आबू रोड

यह समय दो युगों के संधिकाल का युग है। भले ही समाज की सेवा करने और दूसरों के मदद का संस्कार था परन्तु हमेशा एक चीज खलती थी और वो थी कि जीवन में सुकून नहीं मिलता था। लगता था जीवन में ऐसे संस्कारों का समावेश हो जिससे जीवन में एक नयी किरण आये। मेरे अन्दर एक सवाल चलता था कि ये चार युगों का खेल हूबहू कैसे पुनरावृत्ति होती रहती है। जब इस संस्थान से जुड़ी तो लगा कि यह तो पूरे चार युगों के लिए श्रेष्ठ संस्कारों के बीजारोपण का युग है। समय का श्रेष्ठ संस्कारों का लगाया बीज चार युगों में साथ रहेगा। जैसे बारिश में बीजारोपण करते हैं और समय अनुसार बीज बड़ा होता है तथा हम उसकी जितनी सेवा करते है उतनी ही अच्छी तरह से फलता-फूलता है और फल देता है। इसी प्रकार संगमयुग में किया कर्म 21 जन्मों के लिए सुख-शांति प्रदान करता है। यह श्रेष्ठ कर्म के बीज बोने का श्रेष्ठ समय है। जैसा कर्म हम करेंगे वैसा फल प्राप्त करेंगे। मैंने राजयोग से ये जाना कि संकल्प ही भाग्य का निर्माण करते हैं। संकल्पों को शुद्ध करने के लिए हमें सकारात्मक सोचना बहुत ही आवश्यक है।

दो बार राष्ट्रपति पुरस्कार

महाराष्ट्र, अहमदनगर, माणिक चौक में रहने वाली डॉ. सुधा कांकरिया एम.बी.बी.एस., डी.ओ.एम.एस., आई स्पेशलिस्ट हैं। जो अभी बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय प्रणेता हैं। अब तक 32 साल से नेशनल कमेटी में कार्य कर रही हैं। आपके परिवार में आपके पति, आपका एक बेटा और आपकी बहू भी हैं। वे भी आँखों की डॉक्टर हैं। आप चार साल से ज्ञान में चल रही हैं। आपने 'स्त्री सुरक्षा' नाम से एक बहुत सुन्दर किताब लिखी है जो मराठी भाषा में है। आप महाराष्ट्र में स्वच्छ भारत अभियान की ब्रांड एम्बेसडर भी हैं। इन्हीं कार्यों के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार का सम्मान मिल चुका है।

मिला परिवार का सहयोग

शुरू से ही मेरे पति मेरे सहयोगी रहे हैं और अभी भी वो मेरा पूर्ण सहयोग करते हैं। जिससे मेरा काम बहुत ही आसान हो जाता है। चाहे ओ हॉस्पिटल में हो या घर पर। हम सभी मिलकर बहुत प्यार से एक साथ रहते हैं। ज्ञान में तो मैं अकेली चलती हूँ पर उन्होंने कभी भी इस ज्ञान का विरोध नहीं किया।

पर्यावरण की सुरक्षा हमारा दायित्व

वातावरण का हम पर बहुत ही गहरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए हमें नित्य नये योजनाएं बना कर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कार्य करते रहना चाहिए। मैंने अपने यहाँ कुछ भूमि पर कई पेंड़ लगवाये जिसमें पक्षी उद्यान, पाली हाउस, पर्यावरण प्रदर्शनी, वोटिंग एरिया, प्ले गार्डन जैसी सुविधाएं है। जिन्हें देखने के लिए हमारे क्षेत्र से कई लोग आते रहते हैं और पर्यावरण के इस अद्भूत सौन्दर्य का आनंद लेते है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि राजयोग से पर्यावरण शुद्ध होता है। प्रकृति सतोप्रधान बनती है। और यह हमारा मुख्य कर्तव्य है कि हम राजयोग से अपने मन, बुद्धि को परमात्मा से जोड़कर प्रकृति को सतोप्रधान बनाने में परमात्मा के कार्य में हर संभव मदद करें।

शाश्वत जीवन के लिए करें शाश्वत यौगिक खेती

आज वर्तमान में कृषि कार्य में इतनी अधिक मात्रा में रासायनिक खाद, किटनाशक दवाईयों का प्रयोग किया जा रहा है कि मानों मनुष्य जहर को ही खा रहा है तो यह सोचनीय बात है। आज मनुष्य का स्वास्थ्य कैसा होगा ? मैंने अपने 5 एकड़ निजी भूमि पर शाश्वत यौगिक खेती कर रही हूँ जिसमें कई लेबर कार्य करते है। मैंने उन लोगों को सात दिवसीय निःशुल्क कोर्स करवाया है। वहाँ पर योग करने का स्थान, फसलों की सुरक्षा के लिए सारे प्रबन्ध किये गये हैं। मैं वहाँ विभिन्न प्रकार की फसल लेती हूँ जिसमें सब्जियां प्रचूर मात्रा में हैं।

साइबन में मधुबन प्रोजेक्ट : मैंने इस प्रोजेक्ट के तहत राजस्थान के अरावली पर्वत पर स्थित मधुबन जैसी व्यवस्था करने की कोशिश अपने यहाँ की है जिसमें मैंने प्रभू स्मरण के लिए शांति की कुटिया, पीस पार्क, ध्यान मंदिर, नक्षत्र उद्यान, मेडिटेशन रूम, बच्चों व बड़ो के लिए भट्टी की व्यवस्था किया है तथा पूरे पेंड़ो पर स्लोगन लगवाये हैं जिसे देखने के लिए बाहर से लोग आते रहते हैं और इस पर्यटन स्थल में गहन शांति का अनुभव करते हैं।

अपने जीवन का हिस्सा बनायें राजयोग मेडिटेशन

मैं तो बचपन से ही मौन में रहती व उपवास किया करती थी। पर राजयोग मेडिटेशन सीखने के बाद तो मेरा जीवन ही बदल गया। मैं पहले संस्कार चैनल पर अवेक्निंग विद् ब्रह्माकुमारीज़ देखा करती थी जिसमें शिवानी बहन का प्रोगाम आता है। उसी से मुझे बहुत सुन्दर प्रेरणा मिली जिससे मैंने सेंटर पर फोन करके सात दिवसीय निःशुल्क कोर्स करके इस ज्ञान को बहुत अच्छे से समझा। राजयोग मेडिटेशन से मुझे जीवन में बहुत ही अच्छी सफलताएं प्राप्त हुई। जो मैं आज तक बाहर ढूँढ़ती थी वो मुझे अपने भीतर प्राप्त हुई। मैंने शांति और खुशी को हमेशा बाहर ही तलाशता रहा पर राजयोग मेडिटेशन ने मुझे सहज ही अपने मन को समझने में आसान बना दिया। राजयोग से ही हमारा औरा स्ट्रांग बनता है। और खुद की सुरक्षा के लिए, स्वयं की सुख-शांति के लिए, बच्चों की परवरिश के लिए हमें राजयोग मेडिटेशन अवश्य सीखनी चाहिए।

राजयोग मेडिटेशन से मिलता है शरीर का भेद : हमारा शरीर पाँच तत्वों से मिलकर बना हुआ है। जैसे फूलों में खुशबू, तिल में तेल, काष्ठ में अग्नि, गन्ने में गुड़ निराकार रूप में विद्यमान रहती है। वैसे ही हमारे सगुण शरीर में आत्मा विद्यमान रहती है। इसी आत्मा और परमात्मा के मिलन को राजयोग कहते हैं। राजयोग से ही हम 'स्वयं' को समझ सकते है। 'मैं कौन हूं, किसकी हूं और इस संसार में क्यों आयीं हूं। इन सारे सवालों का जवाब सिर्फ राजयोग से ही जाना जा सकता।

पहल | **स्वच्छता महुआ एप से मुहिम को मिलेगी दुगुनी रफ्तार**

एप डाउनलोड कर बनें स्वच्छता के मददगार

शिव आमंत्रण, आबूरोड। भारत सरकार ने पुरे भारत को स्वच्छ बनाने के लिए एक एप का निर्माण किया है। उसके द्वारा आप कहां की भी अस्वच्छता को वहां के नगर निगम के सामने ला सकते हो। चौबीस घंटों के अंदर वह स्वच्छता नहीं हुई या उससे आप का समाधान नहीं हुआ तो उसके बारे में भी उस नगर निगम को फिर से बता सकते है। आबूरोड को स्वच्छ, स्वस्थ और हरित आबूरोड बनाने की मुहिम को दुगुनी रफ्तार देने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मुख्यालय शांतिवन में स्वच्छता महुआ ऐप को ज्यादा से ज्यादा मोबाइल्स में डाउनलोड करने की अपील की गयी। संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी स्वच्छ भारत अभियान की ब्रांड अंबेसडर हैं।

शांतिवन के विशाल डायमंड हॉल में उपस्थित सभा से नगरपालिका अध्यक्ष सुरेश सिंदल ने स्वच्छता ऐप को डाउनलोड कर अपने शहर को स्वच्छ बनाने में योगदान देने की अपील की। स्वच्छता महुआ ऐप की सबसे बड़ी विशेषता ये हैं कि आप भारत के जिस भी शहर में जाएंगे तो वहां के म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन यानी नगर निगम से जुड़ जाएगा और ये सुविधाएं नगरनिगम व नगरनिकाय की सीमा में रहने वाले लोगों के लिए है। उसके बाद नगरनिकाय का ये दायित्व बन जाता है कि अगले 24 घण्टे के अंदर उस कूड़े व कचरे को वहां से हटाए जाने के लिए संज्ञान लेगी। शहर को स्वच्छ रखने में आम जनता की भागीदारी को बढ़ाने और 4 जनवरी 2018 को होने वाले स्वच्छता सर्वेक्षण के रैंकिंग में सुधार लाने के लिए देश के सभी स्थानों पर नगर परिषद की ओर से शहरवासियों से स्वच्छता एप को ज्यादा से ज्यादा मोबाइल्स में डाउनलोड करने की अपील की जा रही है। इस मौके पर संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना ज़ोन की निदेशिका बीके संतोष उपस्थित थी।

जीओ पर भी ओम शांति चैनल की दस्तक

ओम शांति परमात्मा शिव बाबा का दिया हुआ अमूल्य उपहार है। लगातार यह लोगों के बीच ईश्वरीय संदेश पहुंचाने के लिए आतुर है। इसी कड़ी में जिंगा टीवी, विडियोकॉन एप में भी अब ओम शांति चैनल को देख सकते हैं। एक खुशखबरी और है कि अब हम डिजिटल युग में जीओ मोबाईल में भी कहीं भी कभी भी इसे देख सकते हैं। क्योंकि ओम शांति चैनल अब जीओ टीवी में भी आ गया है। यह बाबा का ही कमाल है कि उनकी मार्गदर्शना में लगातार उपलब्धियां हासिल करता जा रहा है। इसके साथ ही यह चैनल आम लोगों की जिन्दगी में बहुत मददगार साबित होगा। इसे आप डाउनलोड करें तथा कहीं भी किसी भी वक्त इससे जुड़े रहे। हमारा विश्वास है कि आप जरूर देखेंगे। बीके हरीलाल, कार्यकारी निदेशक, गॉडलीवुड

राष्ट्रीय समाचार

ब्रह्माकुमारी परिणिता को नारी पुरस्कार

पोखरा नेपाल। नवजागरण संस्था नेपाल ने इन्द्र स्मृति मानव नारी पुरस्कार से ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय नेपाल की निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी परिणीता को सम्मानित किया । उक्त कार्यक्रम मे संसद विन्दुकुमार थापा ने बताया ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय वह सामाजिक संघ सस्था हैं जो देश मे व्याप्त भ्रष्टाचार, विकृति और विसंगति से मुक्त करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने मे सक्षम संस्था है। उन्होने बताया, ऐसी सामाजिक संस्था ही देश, व्यक्ति, समाज और राष्ट्र निर्माण मे भी अतुलनीय योगदान देने मे सक्षम हैं ।

राजयोग जीवन में शामिल कर बीमारियों से करें बचाव

शिव आमंत्रण, भीनमाल। राजस्थान के भीनमाल में पदेन पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके गीता ने तनाव से होने वाली बीमारियों जैसे हार्ट अटैक, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज एवं अस्थमा के बारे में विस्तार से जानकारी दी और इन सब से बचने के लिये दिनचर्या में राजयोग को शामिल करने का आह्वान किया।

इस मौके पर कार्यशाला का लाभ जिला शिक्षा अधिकारी ललित कुमार, सचिव प्रकाश चौधरी, मास्टर सरदार सिंह चरन समेत कई अधिकारी शामिल थे।

गोपाल नारसन की पुस्तकें राज्यपाल पॉल को भेंट

शिव आमंत्रण, देहरादून। देहरादून में आयोजित एक कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान से जुड़े साहित्यकार गोपाल नारसन ने अपनी आबू तीर्थ महान समेत तीन पुस्तकें व ब्रह्माकुमारी संस्था का साहित्य राज्यपाल कृष्ण कांत पॉल को भेंट किया। राज्यपाल ने आबू तीर्थ महान पुस्तक को देखकर माउंट आबू में बिताए दिनों को याद किया और ब्रह्माकुमारीज़ के योगदान के विषय में चर्चा की। उन्होंने संस्थान के साकार संस्थापक पिताश्री ब्रह्माबाबा के मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना में योगदान को याद कर माउंट आबू पुनः आने की इच्छा भी जाहिर की। अवसर था वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. योगेंद्र नाथ शर्मा, 'अरूण' द्वारा कथाकार डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' के 10 उपन्यासों पर समीक्षात्मक कृति के रूप में लिखित 'कथाकार निशंक और जीवन मूल्य' पुस्तक विमोचन का, जो महामहिम राज्यपाल द्वारा किया गया। विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित इस पुस्तक विमोचन समारोह में मौजूद साहित्यकारों ने साहित्य में जीवन मूल्य पर खुलकर विचार विमर्श किया।

पेज 1 का शेष.... दादी जानकी के नाम जुड़ा

क्योंकि हमारे मन की मलीनता ही हमारी बाह्य प्रकृति है। इस अवसर पर संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, महासचिव बीके निर्वेर ने कहा, कि हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनकी उम्र और बढ़े और वे कई कीर्तिमान स्थापित करें। प्रधानमंत्री जी ने दादी जानकी जी को स्वच्छ भारत मिशन का ब्रांड अम्बेसडर बनाया है। हमारा प्रयास होगा कि हम पूरे देश में अपने संस्थान से जुड़े लोग स्वच्छता की मुहिम में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायें। इस अवसर पर संस्था के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन, कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बीके करूणा, महाराष्ट्र जोन की प्रभारी बीके संतोष, शांतिवन की कार्यक्रम निदेशिका बीके मुन्नी, बीके भरत समेत कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए दादी को दीर्घायु होने की कामना की। **लोगों ने दादी को कंधों पर उठाकर किया नृत्य :** दादी को उपस्थित लोगों ने अपने कंधों पर उठाकर काफी देर तक नृत्य किया। इससे पूरे डायमंड हॉल में माहौल उल्लासपूर्ण हो गया।

पौड़ी गढ़वाल के कार्यक्रम में वनमंत्री हरक सिंह रावत के विचार

समाज में नई जागृति ला रहा है संस्थान

शिव आमंत्रण, पौड़ी गढ़वाल। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में संगीतमय आध्यात्मिक श्रीमद् भागवत कथा विषय पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्रदेश के वनमंत्री हरक सिंह रावत ने अपने संबोधन में कहा, कि ब्रह्माकुमारीज़ के माध्यम से की जा रही सेवाएं वास्तव में एक सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा, कि विश्व के कोने-कोने में ब्रह्माकुमारीज़ अपनी सेवाएँ दे रही है। सामाजिक और आध्यात्मिक सेवाओं के द्वारा ये संस्था समाज में एक नई जागृति ला रही है। निश्चित ही इनका प्रयास एक दिन भारत को स्वर्णिम भारत बनाने में कामयाब होगा।

कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ करते वनमंत्री हरक सिंह रावत।

कार्यक्रम में विशेष रूप से ग्वालियर से पधारी बीके दीपा मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रही। उन्होंने गीता में वर्णित महावाक्यों के आध्यात्मिक रहस्यों से सभी को अवगत कराया। एसडीएम राकेश शर्मा ने कहा, कि ब्रह्माकुमारी बहनों के अंदर जितना ज्ञान का भंडार है उतनी ही सादगी उनसे झलकती है।

इस दौरान बीजेपी के पूर्व जिलाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह चौहान, नगर पालिका अध्यक्ष रश्मि राणा, पूर्व अध्यक्षा शशि नैनवाल, गुरूग्राम के ओआरसी से आयी वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके मधु, कोटद्वार सेवाकेंद्र प्रभारी बीके ज्योति मुख्य रूप से मौजूद रहीं। कार्यक्रम का संचालन सेवाकेंद्र प्रभारी बीके ज्योति ने किया।

कार्यक्रम शुरू होने से पहले शहर में शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें पारंपरिक गढ़वाली लोकनृत्य और गीतों के साथ सभी को ईश्वरीय संदेश दिया गया।

भौतिक ऊर्जा का आधार आध्यात्मिक ऊर्जा

हरदुआगंज के स्नेह मिलन कार्यक्रम में व्यक्त विचार

शिव आमंत्रण, हरदुआगंज। उत्तरप्रदेश के हरदुआगंज में नगर पालिका अध्यक्ष तिलकराज यादव के निर्वाचन के पश्चात् शपथ ग्रहण समारोह में ब्रह्माकुमारीज़ को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कमलेश ने कहा, कि अब धरती पर स्वर्णिम सृष्टि की स्थापना परमात्मा कर रहे हैं जहां पर चहुं ओर पवित्रता, सुख और शांति होगी। बीके सत्यप्रकाश ने क्षेत्र में होने वाली ईश्वरीय सेवाओं की जानकारी दी। बीके हेमा ने 'भारत फिर भरपूर बनेगा' गीत गाया जिसे सुनकर सभी आनंदित हुए। **ओम् शांति मार्ग का प्रमुख द्वार चौड़ा करवाने की घोषणा :** इस मौके पर बीके बहनों ने उपजिलाधिकारी महिमा मिश्रा समेत कई अधिकारियों से मुलाकात कर ईश्वरीय साहित्य भेंट किया। चेयरमैन ने ओम् शांति मार्ग के प्रमुख द्वार को चौड़ा करवाने की घोषणा की।

अतिथियों को सौगात देती बीके बहनें।

इसके साथ ही सत्यधाम गीता पाठशाला में भी राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें तालानगरी औद्योगिक विकास एसोसिएशन के महामंत्री सुनील दत्ता, अधिशासी अभियंता एस.के. चौधरी ने कहा, कि ऊर्जा के सीमित स्त्रोत खत्म होते जा रहे हैं, इसलिए हमें ऊर्जा का इस्तेमाल सोच समझ कर करना है। उन्होंने एलईडी बल्बों का प्रयोग करने व विद्युत उपकरणों को आवश्यकता अनुसार ही चलाने की सलाह दी। कार्यक्रम में बीके कमलेश ने तनाव मुक्त रहने के लिए राजयोग द्वारा मन-बुद्धि को परमात्मा शिव की याद में लगाने की सलाह दी। बीके सत्यप्रकाश ने भौतिक ऊर्जा का आधार आध्यात्मिक ऊर्जा को बताया।

कीटनाशक पदार्थों से बढ़ने लगी बीमारियां

शिव आमंत्रण, अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर कृषि विभाग द्वारा जनपद स्तरीय किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र से बीके हर्षा एवं अन्य बीके बहनों को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

इस दौरान बीके हर्षा ने शाश्वत यौगिक खेती का महत्व बताते हुए कहा, कि प्राचीन काल में किसान खेती का प्रत्येक कार्य परमात्मा की याद से शुरू करता था और महिलाएं लोकगीत गाकर प्रकृति को मनोहारी बना देती थी जिससे पशु-पक्षी सहित सभी लोग आनंदित हुआ करते थे। परंतु धीरे-धीरे खेती में कीटनाशकों एवं रासायनिकों का अत्यधिक प्रयोग खेती में होने लगा जिससे कीड़ो को मारना है, पतंगों को मारना है, उससे यह मारने-मारने की प्रवृति इतनी बढ़ गई कि अब एक-दूसरे को भी मारना है, यहाँ तक आकर पहूँची है। इस अवसर पर आयोजित किसान मेले में शाश्वत यौगिक खेती से संबंधित प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिसका अवलोकन क्षेत्रीय विधायक समेत अनेक जिला स्तरीय अधिकारियों ने किया। कार्यक्रम में बीके सत्यप्रकाश ने संस्था द्वारा की जा रहीं सेवाओं की जानकारी दी व सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कमलेश ने सभी अतिथियों को माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया। इस मौके पर कृषि क्षेत्र के अधिकारी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए किसान लोग शामिल थे।

किसान सम्मान समारोह में उपस्थित जनसमूह।

विचार नियंत्रित करो, ऊर्जा बचाओ

शिव आमंत्रण, पालम विहार। गुरूग्राम के पालम विहार सेवाकेंद्र पर 'प्रैक्टिकल स्प्रीचुअलिटी कॉनफ्लिक्ट रिजोल्यूशन इन बिजनेस' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में यूएसए से आयी सॉफ्टवेयर ॲज ए सर्विस की सीनियर मैनेजर सौम्या श्रीवास्तव ने राजयोग के अनुभवों को साझा करते हुये कहा, कि हम इसके अभ्यास से अपने विचारों को नियंत्रित कर सकते हैं और अपनी ऊर्जा को व्यर्थ जाने से बचा सकते हैं। इसके साथ ही जनरल सर्विस एडमिनिस्ट्रेशन पावर प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर संजय गुप्ता ने बताया, कि हम दूसरों का उत्साह वर्धन करके भी कार्यक्षेत्र में सफल हो सकते हैं। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके उर्मिल ने इनर पर्सनैलिटी का महत्व बताया।

रियल लाइफ

मैं स्वयं आज्ञापालक हूं...

प्रजापिता ब्रह्मा

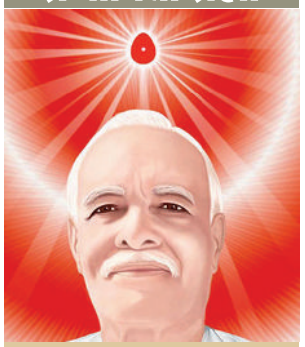
संस्थापक, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

वे पति लोग खूब शराब-पीने व कबाव खाने वाले थे और विलायत से लौटकर आए थे। विषय -भोग का प्रस्ताव अस्वीकार होने पर उन्होंने उन महिलाओं पर बहुत अत्याचार किया था। सिन्ध में उस अत्याचार की खूब चर्चा चल पड़ी थी। एक पति ने तो न्यायालय में मुकद्दमा भी चालू कर दिया था। उस मामले को लेकर पंचायत के लोग बोले- 'दादा, आप इनसे कहो कि ये अपने पति से विषय-भोग करें।' परन्तु बाबा ने उन्हें कहा - 'मैं तो ज्ञानामृत पिलाने की सेवा कर रहा हूँ, मैं इन्हें कैसे कह सकता हूँ कि ये विषय-विकार में डूबें? ये सत्संग में न आना चाहे तो भी इनकी इच्छा है परन्तु जिस काम विकार को गीता में 'नरक का द्वार कहा गया है' उस विकार के लिए मैं इन्हें कैसे सुझाव,अनुमति अथवा आज्ञा दे सकता हूं।' बाबा ने उनको यह भी कहा कि ''मेरी अपनी लौकिक पुत्री भी ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करती है। मैं स्वयं भी आश्चर्यचकित हूँ कि ब्रह्मचर्य की यह आज्ञा इन्हें और मुझे कौन देता है। इन्हें बड़ों का कहना तो मानना चाहिए परन्तु ये क्यों नहीं मानती? ये भी उस परमपिता की आज्ञा के कारण विवश हैं और मैं भी....।'' बाबा ने ये भी कहा-''**मैं तो इन आत्माओं का सेवक हूँ। मुझे तो प्रभू ने इनकी सेवा के लिए निमित्त बनाया है, तब मैं इनका सेवक इन्हें आज्ञा कैसे कर सकता हूँ। देखो, ये कोई मेरी आज्ञा पर नहीं हैं बल्कि जो इनको आज्ञा देने वाला है, वही मुझे भी अपनी आज्ञा पर चला रहा है। अत: आज्ञा देने वाला कोई और है, मैं तो स्वयं ही आज्ञा का पालन करने वाला हूँ।**' इस विषय में भी उन दिनों एक गीत बना हुआ था, जिसका पहला पद था - 'सेवक अचे थी ओम् मण्डली में सेवा करण वास्ते।'' इसका भावार्थ यह था कि दादा कहते हैं कि - ''मैं तो एक सेवक हूँ, ओम् मण्डली में सेवा करने के लिए ही आया हूँ।'' बाबा ने यह भी कहा कि ''यह तो इनके घर का आपसी मामला है, मैं इसमें कैसे दखल दे सकता हूँ।''

अब सोचने कि बात है कि जबकि उन महिलाओं को दिव्य साक्षात्कार हो चुके थे, उन्होंने ईश्वरीय ज्ञान और पवित्रता का रसास्वादन भी कर लिया हुआ था और दूसरी ओर अज्ञानकाल में विकारी जीवन भी देख लिया था तो वे अब किसी के कहने से विषय-वासना के जीवन में कैसे प्रवेश करती? उनको तो किसी का कहना वैसे भी व्यर्थ ही था। वे तो अब दो-तीन वर्षों से इस गीत के भावार्थ में टिक गयी थी- ज्ञान ही मन का मीत सखी री ज्ञान ही मन का मीत जगत में राखो ज्ञान से प्रीत मण्डली गीता की मुरली बजावे, मन को प्रभू की याद दिलावे यही बुद्धियोग की है रीत, सखी री सीता और राम की प्रीत मन मस्ताना ठौर न पावे, मेरा-मेरा सदा ललचावे उसे 'ओम्' अर्थ से जीत, सखी री ज्ञान-खड्ग से जीत जगत में राखो ज्ञान से प्रीत।

अतः उन्हें पवित्रता दब्रह्मचर्यड्ड के नियम का इस दृढ़ता से पालन करते देखकर लोगों में हलचल शुरू हुई। वे सोचने लगे कि हमने ऐसा सत्संग कभी नहीं देखा। यदि माताएँ ब्रह्मचर्य का पालन करने लगेंगी तो इस सृष्टि की वृद्धि कैसे होगी? उन्हें यह तो मालूम नहीं था कि सतयुग अथवा देवयुग में और त्रेतायुग में मैथुनी सृष्टि नहीं होती बल्कि उस काल के सतोगुणी लोगों अथवा देवी-देवताओं में काम-वासना नाम मात्र भी नहीं होती और तब सृष्टि मनोबल और पवित्रता के बल से अर्थात् योग-बल से पैदा होती थी और अब उसी सृष्टि की फिर स्थापना हो रही है। दूसरी बात इस सत्संग में लोगों ने यह भी देखा कि यहाँ ईश्वरीय ज्ञान देने के कार्य में प्रायः माताएँ व कन्याएँ ही निमित्त बनी हुई हैं। अब तक तो उन्होंने यहीं देखा था कि हर सत्संग में पुरूष ही शास्त्र सुनाते तथा कथा करते थे। तीसरे, लोगों ने यहाँ दिव्य साक्षात्कारों की भी धूम मची देखी जिसे वे अपने तमोगुणी संस्कारों के कारण तथा अशुद्ध खान-पान के कानण नहीं समझ सके।

जीवन प्रबंधन

बचपन में ही करें अच्छे संस्कारों का बीजारोपण

बीके शिवानी, गुरुग्राम
जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ और मोटिवेशनल स्पीकर

तीन साल का एक बच्चा स्कूल में दाखिले के लिए साक्षात्कार देने जा रहा है। उसको माता-पिता बहुत दबाव दे रहे हैं क्योंकि माता-पिता बहुत ज्यादा तनाव में है कि अगर उस स्कूल में उसको दाखिला नहीं मिला तो! ये जो भय पैदा हो रहा है यह हम बच्चे को उस आयु में ही उसके मन में डर की भावना बैठा देते हैं कि ये बहुत महत्वपूर्ण है अगर नामांकन नहीं हुआ तो समझ लो तुम असफल हो जाओगे।

प्रश्नः- तनाव स्वाभाविक होती है तो उसे क्या करना।

उत्तरः- नहीं-नहीं वो तो स्वाभाविक है। यदि कोई कहें कि मेरे घुटने में दर्द है और हमने उसको 'सामान्य' बोल दिया तो फिर क्या हम उसका इलाज करायेंगे? नहीं। जब तक हमें यह अनुभूति नहीं होती है कि यह साधारण नहीं है ये दर्द है, ये मेरा स्वास्थ्य का स्तर नहीं है। फिर मैं कुछ न कुछ उसके लिए करूंगा। लेकिन अगर मैंने स्वीकार कर लिया कि ये तो साधारण है तो क्या होगा? हम उसी के साथ चलना शुरू कर देंगे।

प्रश्नः- इसका मतलब ये होगा कि आप उस पर काम ही नहीं करेंगे, बाकि सारी चीजों के ऊपर आप काम करते जायेंगे।

उत्तरः- आप काम नहीं करेगे, क्योंकि स्वाभाविक क्या है, इसका विश्वस बहुत स्पष्ट होना चाहिए। क्योंकि हम मानते है कि जो चीज सामान्य है वो ठीक है तो हम उसके ऊपर कुछ मेहनत करते हैं। मान लो कि आप ऑफिस से घर पहुँचे आपको थोड़ सा बुखार हो गया है। आपने थर्मामीटर पर देखा कि 100 डिग्री है या 101 डिग्री है। आपको मालूम है कि ये ठीक नहीं है। सबको ये पता है कि ये जो त्रिभुज का निशान बना है वहाँ तक ठीक है। पारा अगर उससे थोड़ा भी ऊपर होगा तो वो सामान्य नहीं है। मतलब कि मुझे बुखार है तो मैं तुरन्त डॉक्टर के पास जाऊंगी और अपना इलाज कराकर दवाई लूंगी और बार-बार थर्मामीटर लगाकर जांचती रहूंगी कि ये ठीक हुआ कि नहीं। जब थर्मामीटर में दिख गया कि ये ठीक हो गया है, तब हम दवाई नहीं लेंगे।

अब तनाव दूर करने के लिए दवाई क्यों नहीं ले रहे हैं? क्योंकि हमने कह दिया कि ये तो स्वाभाविक है। हम फिर थोड़े ही उसको खत्म करने का प्रयास करेंगे। पहले तो ये कि इस मान्यता को बहुत अच्छि तरह से जांचना पड़ेगा कि तनाव होना स्वाभाविक है, तनाव स्वाभाविक है, यह हरेक का जीवन का अंग बन गया है। तनाव कुछ भी नहीं है, ये एक दर्द है जो आता है मुझे बताने के लिए कि जीवन में कुछ परिवर्तन करना है।

प्रश्नः- हम थोड़ा-थोड़ा तनाव को कहते हैं सामान्य है क्योंकि वो जैसे ही ज्यादा होने लगता है या जब हमसे वो बर्दाश्त नहीं होता है तब हम उसका समाधान ढूंढते हैं।

उत्तरः- तब हम उसका समाधान कहाँ ढूंढते हैं कि ये सब ठीक हो जाये, तब मेरा तनाव ठीक हो जायेगा। कभी हम परिस्थिति के अन्दर उसका समाधान ढूंढते हैं, तो कभी लोगों में समाधान ढूंढते हैं कि परिस्थिति ठीक हो जाये तो मेरा तनाव ठीक हो जायेगा।

प्रश्न : अब परीक्षा आ रही है तो आप तनाव में तो आयेंगे ही।

उत्तरः- हम अगर बच्चे को ये समझा सके कि 'परीक्षा के समय हल्का रहना सामान्य है' तो बच्चा मन लगाकर पढ़ेगा भी और अच्छा प्रदर्शन भी करेगा। क्योंकि उसको इससे बढ़ावा मिलता है। क्या कभी हमने बच्चे से ये कहा कि हल्के रहना साधारण नहीं है या बच्चे को हल्के ही रहना है, नहीं। हम तो यही कहते हैं कि तनाव होना स्वाभाविक है और खुद भी इतने तनाव में होते हैं कि बात मत पूछो।

प्रश्न : हम ये कहते हैं कि आप हल्के रहो, हल्के रहो।

उत्तरः- हल्के रहो यह भी हम कैसे कहते हैं। परीक्षा के समय घर की पूरी ऊर्जा ही बदल जाती है।

प्रश्नः- हम क्या कहते हैं कि बच्चे की परीक्षा है तो उसके दोस्त घर पर नहीं आ सकते, रिश्तेदार नहीं आ सकते है।

उत्तरः- एक है कि बच्चे को पढ़ना है, उसको शांति चाहिए। एक अलग कमरा उसे दे दो, लेकिन घर में जितना हो सके वायुमण्डल को हमें सामान्य ही बनाये रखना है। जितना हम साधारण रहेंगे, जितना हल्के रहेंगे तो बच्चा भी हल्का महसूस करेगा कि घर में सब कुछ सामान्य है। परीक्षा ही तो देने जा रहा हूँ।

प्रश्नः- लेकिन वो अंदर से सामान्य नहीं होते हैं ना!

उत्तरः- अंदर जब सामान्य होंगे तब तो बाहर भी सामान्य अनुभव करेंगे लेकिन हमने ही वो परीक्षा को इतना बड़ा बना दिया कि जिससे तनाव पैदा हो रहा है। पहले तो साल में एक बार परीक्षा होती थी लेकिन अब परीक्षा का समय बढ़ता जा रहा है। अब कुछ साप्ताहिक परीक्षा होती हैं, फिर महिने भर का परीक्षा होती है, तो इस तरह से बच्चे का पूरा साल कैसे बीत रहा है, जैसे कि उसके अंदर एक बहुत बड़ा दबाव कार्य कर रहा हो। यह बच्चों के दिमाग के लिए बहुत ही नुकसानदायक होता है। वो बचपन के दिन जो हमारे लिए सबसे सुनहरा समय होता था, आज वहीं बच्चे उस अवस्था में कहते हैं कि मुझे बहुत खिंचाव है। अगर आप देखो कि जो बच्चे स्कूल में दाखिला के लिए जाते हैं तो उनको कितना तनाव से गुजरना पड़ता है।

प्रश्नः- पालक तो यहीं कहेंगे कि सारे स्कूल ऐसे हो गये हैं, शिक्षा का पूरा महौल ही ऐसा हो गया है। अगर हम बच्चे को नहीं डांटे, उसे नहीं समझाये, उस पर दबाव नहीं डालें तो उसका उस स्कूल में नामांकन ही नहीं होगा।

उत्तरः- उसके लिए हमें क्या-क्या करना होगा, हमें पढ़ाना होगा, बहुत अच्छी तरह से तैयारी करानी होगी, उसके आत्मविश्वास को बढ़ाना होगा, सिर्फ हमें एक चींज नहीं करनी होगी, उसके मन में डर पैदा नहीं करनी होगी। सार में हम यहीं कह सकते है कि जो महौल है हमें उस के अनुरूप खुद को मजबूत बनाना होगा। 'तनाव' शब्द का हम दिन भर में कितना उपयोग करते हैं। अगर विज्ञान में तनाव शब्द को ले तो खिंचाव बराबर है दबाव लचीलापन के। बाहर दबाव तो पहले से ही है, स्कूल में साक्षात्कार के लिए गये, फिर मेरे माता-पिता गये नामांकन कराके वापस आ गये कहाँ यह शहर के सबसे बढ़िया स्कूलों में से एक है और कहा आपका नामांकन हो गया है और अब स्कूल जाना है। आज वो छोटे-छोटे बच्चे पता नहीं कितनी मेहनत से गुजरते हैं। ठीक है दबाव बदल रहा है। हम बैठकर उसके बारे में शिकायत नहीं कर सकते। लेकिन जितना दबाव का अंश है ना बढ़ता जा रहा है। हर लचीलापन हमारी आंतरिक शक्ति में है। उस दबाव को सहन करने की मेरी अपनी आंतरिक शक्ति मानसिक शक्ति में हैं। कारखानों में जब हम जाते है तो अलग-अलग प्रकार के धातु के प्लेट होते हैं, हर धातु के शीट के ऊपर एक समान दबाव डाला जाता, लेकिन हर धातु का की आंतरिक क्षमता अलग-अलग है।

बुराइयों और व्यर्थ को समाप्त करने का तरीका पाजिटिव चिंतन

समस्या-समाधान

ब्र.कु. सूरज भाई,
मेडिटेशन प्रशिक्षक

रूपेश भाईः- जो आप सास बहू की कई बार कहानी सुनाते हैं वो सचमुच बहुत ही प्रेरक और कारगर है यहां पे। भ्राता जी ये एक विशेष चीज रहता है कि हम लोगों की नम्रता की बात हो रही थी कल। तो यहां कई बार ईगो आ जाता है कि यदि मैं सही हूं तो क्यों झुकूं, ये वाली चीज अपने आपको समझाना कई बार कठिन लगता है

सूरज भाईः- बस इसमें ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है बस मैंने एक हफ्ते के लिये कहा है यस सर, यस माता जी आप इस घर की बड़ी हो जो आप कहेंगे हम वही करेंगे मालकिन तो आप हो हम तो बाद में आये हैं कहने में क्या जाता है कहके तो देखो और सबकुछ अच्छा हो जायेगा।

रूपेश भाईः- भ्राता जी अगला मेल हमारे पास आया है कार्तिक जी का इन्दौर से ये कह रहे हैं कि नोट बन्दी पर बहुत सारे विचार आ रहे हैं लोगों के कई इसे अच्छा मानते हैं कई इसे बुरा मानते हैं तकलीफ तो हमें भी हो रही है हम आपके विचार जानना चाहते हैं आप इस पर क्या कहेंगे हम इसे सहज रूप से लें ये पाजीटिव है या नेगेटिव है आध्यात्म इस पर क्या कहता है।

सूरज भाईः- देखिए नोट बंदी तो गई वो पार्ट तो अब पूरा हो गया प्रेजीडेन्ट ने भी आज कुछ कहा पार्टी वाले भी कुछ बोलते हैं कोई भी ऐसा कदम उठाया जाता है तो बातें होती हैं प्रधानमन्त्री इन्दिरा गांधी ने भी कभी एक हजार को नोट बन्द किया था तब भी बहुत हाहाकार मचा था, होता है लेकिन मैं ऐसा देखता हूँ कि इन लोगों के मन में भारत के भविष्य को लेकर एक विजन है ये उस विजन को पूर्ण करने के लिये कार्य कर रहे हैं पहले मैंने कहा था कि हम बाहर देखकर आये विदेशों में ऐसे ही कैशलेस पेमेन्ट होते हैं तो काफी अच्छा रहता है किसी को पैसा लेके चलने की जरूरत नहीं चोरी का डर नहीं सब कुछ ठीक-ठाक हो तो सरकार को भी ठीक से टैक्स प्राप्त हो जायेगा तो तकलीफ तो हुई हमें भी हमारे आश्रम में हमें लेबर को भी कम करना पड़ा, भोजन को भी जरा इकोनोमिकली चलाना पड़ा सब कुछ हुआ थोड़ी कठिनाइयां तो हुई हैं लेकिन थोड़ा कठिनाइयों को सहना तो पड़ता ही है वो भी भारत के विजन को कुछ अच्छा देखते हैं कुछ अच्छा बनाना चाहते है, मुझे अच्छी बात लगी थी जब फाईनेन्स मिनिस्टर ने ये कहा था कि हम तो कल नहीं रहेंगे लेकिन हम ऐसी चीज देना चाहते हैं संसार को हम ऐसा करना चाहते हैं भारतवासियों के लिये जो सदा सब कठिनाइयों से मुक्त रहें ये भ्रष्टाचार और ब्लैक मनी ये सब खत्म हो जाये देखिए इन्टेन्शन बहुत अच्छा है नो डाऊट कठिनाई हुई है पैसे के बिना लोगों ने जीवन-यापन किया है और मैं तो सोचता हूँ कि ये भी अच्छी तैयारी है भविष्य में कम पैसा हो दाल रोटी खानी पड़े साधनों के बिना चलना पड़े तो भी थोड़ा सहज हो जाये आदत भी पड़ जाये तो ओन होल ठीक हो रहा है कुछ बुरा नहीं होगा कुछ समय के बाद इसके गुड रिजल्ट, जब सब सीख जायेंगे न कैश लेस, सब सीख जाते हैं पहले मोबाइल भी कहां जानते थे, अब तो मजदूरों के हाथ में मोबाइल है पति जोधपुर में है वो यहां है उन्हें लगता भी नहीं हम अलग हैं तो सब सीख गये ना एकाध साल में सब सीख जाते हैं फिर सुन्दर भविष्य आयेगा ।

रूपेश भाईः- मतलब इसके अच्छे रिजल्ट आयेंगे और अच्छे इन्टेन्शन के साथ पेश की गई है भ्राता अगला मेल हमारे पास अगला मेल आया मोनिका जी का जोधपुर से वो कह रही हैं बाबा की वर्तमान प्रेणायें क्या हैं खास करके बाबा ने अभी जो मुरली चलाई कि आप अपने आपको पूरी तरह एकाग्र करो आधे घण्टे भी कर लो एक घण्टे भी कर लो ये तो एक बहुत बड़ी सी बात हो गई साधना के लिये हम तो एक मिनट के लिये भी ठीक तरह से एकाग्र नहीं हो पाते हैं यदि ऐसी लम्बी एकाग्रता हमें प्राप्त करनी हो तो कैसे करें।

सूरज भाईः- निश्चित रूप से बहुत बड़ी बात ये आई है ये बातें पहले भी ईश्वरीय महावाक्यों में बहुत बार सुनी गई हैं अपने मन बुद्धि को किसी भी स्वरूप पर लम्बा समय तक स्थिर कर सको जब चाहो तब मान लो परिस्थितियां हैं तब सुबह, दोपहर, शाम, रात को जो भी समय हो दस मिनट अपने मन बुद्धि को स्थिर कर सको, जो ऐसे लम्बे काल के अभ्यासी होंगे वही लम्बे काल के राज्य अधिकारी बनेंगे इस पर बाबा ने बहुत फोकस किया इससे साइलेन्स पावर इकटठी होगी इससे चमत्कारिक शक्ति आत्मा में आ जायेगी जिससे वो विश्व कल्याण के कार्य में बहुत बड़ी भूमिका निभा सकेगी। तो बाबा की प्रेरणाएं यही हैं चूंकि समय समाप्ति की ओर जा रहा है अब विश्व परिवर्तन का कार्य कुछ भयानक रूप लेने जा रहा है मैं यही शब्द यूज करूंगा क्योंकि छोटा-मोटा परिवर्तन नहीं है क्योंकि जो नहीं है वो आयेगा और जो है वो नहीं रहेगा सब परिवर्तन हो जायेगा हर तरह से चाहे वो एकोनोमिकली हो, सोसियली हो, रिलिजस हो, या स्प्रिच्युअल हो या प्योरिटी वाइज हो या मनुष्य की मारल वैल्यूज के आधार पर हो संसारिक भी धरा पर आकाश में ग्रहों में बहुत बड़ी चेन्जस आने जा रही है तो इसके लिये शिव बाबा ये चाहते हैं कि मेरे बच्चे तैयार हो जायें ऐसा नहीं जब संसार कष्टों से गुजरे तो मेरे बच्चे भी कष्टों में हों जब संसार में भय व्याप्त हो तो मेरे बच्चे भी भयभीत होकर घर में छुपे हों हमें सबके भय निकालने हैं हमें सबको रास्ता बताना है सबको वायब्रेशन्स देकर मदद करनी है इसकी तैयारी चाहते हैं बाबा इसलिये बहुत अच्छी-अच्छी बातें आ रही है मन को डान्स कराओ मन को शान्त करो मन को पावरफुल बना दो ये बहुत जरूरी है।

सूचना

सामाजिक सेवाओं तथा आंतरिक सशक्तिकरण के प्रयास के साथ निकाला गया मासिक शिव आमंत्रण समाचार पत्र एक संपूर्ण अखबार है। इसमें आप सभी पाठकों का लगातार सहयोग मिल रहा है, यही हमारी ताकत है।

वार्षिक मूल्य : 90 रुपए, **तीन वर्ष :** 260 रुपए,
आजीवन : 2200 रुपए

-पत्र व्यवहार का पता-

संपादकः ब्र.कु. कोमल, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिस, शांतिवन-307510 , आबू रोड- 307510, जिला-सिरोही, राजस्थान
मो.8769830661, 9413384884
Email: shivamantran@bkivv.org,
bkkomal@gmail.com

मानसिक विकास से दूर होगी नकारात्मकता

सम्मान समारोह कार्यक्रम में बीके हेमलता के विचार

शिव आमंत्रण, बड़वाहा। मध्यप्रदेश के बड़वाहा सेवाकेंद्र पर स्वस्थ तन, प्रसन्न मन का सकारात्मक चिंतन एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आये विधायक हितेंद्र सिंह सोलंकी, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के डी.आई.जी. हेमराज गुप्ता एवं अभिभावक संघ के अध्यक्ष शिवकुमार वाजपेयी उपस्थित थे।

इस अवसर पर इंदौर से आयीं मुख्य क्षेत्रीय संयोजिका बीके हेमलता ने बताया, कि वर्तमान समय हमने भौतिक सुख-सुविधाओं के अनेक साधन एकत्रित कर लिये हैं लेकिन मन की सच्ची शांति, प्यार, एकता एवं विश्वास आज खत्म होता जा रहा है क्योंकि हमारा दृष्टिकोण वर्तमान परिवेश के अनुरूप नकारात्मक हो गया है। आज चारों ओर नकारात्मकता का माहौल व्याप्त है जिसे दूर करने के लिए राजयोग के अभ्यास द्वारा मानसिक विकास करना जरूरी है।

समारोह में बोलतीं बीके हेमलता व मंचासीन अतिथि।

सकारात्मकता को अपनाने की जरूरत

अन्य अतिथियों ने भी सकारात्मकता को अपनाए जाने के बारे में विचार व्यक्त किए जिसके पश्चात् नगर की समाजसेवी संस्थाओं को उनके द्वारा की जा रही भिन्न-भिन्न सामाजिक सेवाओं के लिए सम्मानित किया "गया जिसमें मुख्य रूप से लायन्स क्लब, रोटरी क्लब, महिला जाति संस्था एवं ज्योतिर्मय मूक बधिर विद्यालय, मुक्तिधान निर्माण समिति आदि को ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के बीके नितिन ने किया और अंत में अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

'भयमुक्त जीवन का आधार राजयोग'

शिव आमंत्रण, राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ में 'भयमुक्त जीवन का आधार-राजयोग' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बीके सुरेखा ने विषय को स्पष्ट करते हुए कहा, कि जीवन एक यात्रा है जिसमें साधक, साध्य और साधन की आवश्यकता है, इसमें साधक है आत्मा, साधन है मन और साध्य है परमात्मा शिव। उन्होंने बताया कि मन को राजयोग द्वारा परमात्मा शिव में लगाने पर आत्मा की सुषुप्त शक्तियां जाग्रत होती है और सर्वशक्ति सम्पन्न व्यक्ति ही भयमुक्त जीवन जी सकता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर आयी उद्योग विभाग की असिस्टेंट मैनेजर अनुश्री सक्सेना ने संस्थान के मुख्यालय माउण्ट आबू भ्रमण के दौरान हुए अनुभवों को सुनाते हुए बताया कि, वहां जाकर हमने जाना कि हम एक आत्मा हैं और परमात्मा से प्राप्ति करने का एक ही साधन है मन, वचन और कर्म की शुद्धि अर्थात् 'राजयोग'। हमें ये भी जानने को मिला कि जो भी हम बाहर से वस्त्र व आभूषणों को पहनते हैं वह हमारा श्रृंगार नहीं है, बल्कि हमारा श्रृंगार है संयम और नियम। पूर्व शाखा प्रबंधक शिव नारायण नामदेव ने कहा, कि मैं एक आत्मा हूं और मेरा पिता परमात्मा है। कुमारी अश्विनी ने 'बच्चे मन के सच्चे' गीत की प्रस्तुति दी तो प्रभुलाल अहिवार्जी ने भी अपनी कविता के माध्यम से 5000 वर्ष के ड्रामा को कल्याणकारी बताया।

चरित्र निर्माण आध्यात्मिक मेला

विशाल ज्योतिर्लिंग के साथ बीके बहनें और अतिथि।

शिव आमंत्रण, भूम। चरित्र मानव जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है इस बात के महत्व से लोगों को रूबरू कराने के लिए महाराष्ट्र के भूम में चरित्र निर्माण आध्यात्मिक मेले का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ परांडा से युवा कांग्रेस के अध्यक्ष रोहन जाधव, विधायक राहुल मोटे, उप महापौर संयोजिता गाडवे ने रिबन काटकर किया। स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा आलम प्रभु टेम्पल के समीप लगाये गये इस मेले में विश्व की सभी आत्माओं के पारलौकिक पिता भगवान शिव का विशाल ज्योतिर्लिंग एवं सतयुग के प्रथम प्रिन्स श्रीकृष्ण की झाँकी सजाई गयी थी।

बीके सदस्यों ने बताया, कि आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग से दैवी दुनिया की स्थापना हो रही है, हर मानव सोलह कला संपूर्ण, सर्वगुण संपन्न एवं मर्यादा पुरूषोत्तम होगा। सबजोन प्रभारी बीके सोमप्रभा, ईट सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सखु एवं स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके राधा ने अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंट कर विश्व कल्याण के महान कार्य में सहयोगी बनने का आह्वान किया।

मेले का अवलोकन इंस्पेक्टर सूर्यवंशी, आलमप्रभु टेम्पल के पूर्व अध्यक्ष शालू महाराज एवं पत्रकार नितिन गुंजल समेत हजारों लोगों ने किया।

आध्यात्मिक मूल्यनिष्ठ शिक्षा

ब्रह्माकुमारीज़ की नैतिक मूल्य शिक्षा सराहनीय : भगत

शिव आमंत्रण, गुमला। मूल्य शिक्षा द्वारा तनावमुक्त रहने की कला प्रत्येक नागरिक को सीखनी चाहिए। अपराध एवं नकारात्मक परिवेश समाज में बढ़ता जा रहा है। तनाव के कारण ही अपराध की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इसके लिए ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा नैतिक मूल्यों की शिक्षा एक सराहनीय कदम है। उक्त विचार जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री सुदर्शन भगत ने झारखंड के गुमला में तनावमुक्त जीवन के लिए मूल्य एवं आध्यात्मिक शिक्षा विषय पर आयोजित कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर व्यक्त किए। कार्यक्रम में माउंट आबू से आये शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके मृत्युंजय ने संस्थान द्वारा मूल्यनिष्ठ जीवन बनाने की दिशा में की जा रही सेवाओं की जानकारी देते हुये कहा, कि मूल्यों की धारणा से मानव देव समान बन सकता है। दूरस्थ शिक्षा संस्थान के निदेशक बीके डॉ. पांड्यामणि ने बताया, कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने मूल्य शिक्षा द्वारा विगत 80 वर्षों से संसार को तनावमुक्त जीवन जीने हेतु एक नई दिशा दी है जिससे लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा, कि सारे भारत में इस विषय पर कार्यक्रम चल रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में 15 विश्व विद्यालयों के साथ एमओयू किया गया है। इस मौके पर एराउस मिशनरी संस्थान के निदेशक फादर मनोहर खोया, शिक्षा प्रभाग की सबजोन को-ऑर्डिनेटर बीके शेफाली, कटक सेवाकेंद्र प्रभारी बीके लीना, गुमला सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शांति एवं लोहरदगा के महिला कॉलेज प्राचार्या शमीमा खातून समेत कई अतिथि मौजूद रहे। अंत में सभी को राजयोग द्वारा शांति की अनुभूति कराई गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री सुदर्शन भगत।

सार समाचार

मानव के सुख -दुःख का कारण है उसके स्वयं के कर्म : डॉ. निरंजना

शिव आमंत्रण, अल्कापुरी। योग से मनुष्य के जीवन में खुशी, शक्ति एवं उत्साह का संचार होने लगता है और हमारे कर्मों में कुशलता आने लगती है। योग के इन्हीं महत्वपूर्ण लाभों की ओर लोगों का ध्यान खींचवाने हेतु वडोदरा के अल्कापुरी में योगः कर्मेशु कौशलम् विषय पर वार्तालाप एवं अनुभव संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सबजोन प्रभारी बीके डॉ. निरंजना ने कहा, कि यह संसार कर्म प्रधान है, हमारे सामने कोई भी परिस्थिति आती है तो उसका कारण हमारे कर्म है। आज की दुनिया दुःख, अशांति और समस्याओं से भरपूर है क्योंकि हमारा मन कमजोर है। जो कि राजयोग के माध्यम से शक्ति शाली बन सकता है। प्रोफेसर डॉ. जगदीश सोलंकी ने कहा, कि तनाव मुक्त जीवन बनाने के लिये योग की अति आवश्यकता है। इस मौके पर ग्रीन हाऊस के प्रोप्राईटर भगिनी कुमकुम लाल, पूर्व पब्लिक रिलेशन ऑफिसर हर्षद दाणी एवं अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

थिमासंदरा में नए विश्व शांति भवन का निर्माण

शिव आमंत्रण, बेंगलुरू। आज दुनिया में हरेक को शांति चाहिए, जिसकी तलाश लोगों को तब तक रहती है जब तक उसके मन को शांति देने वाला सही ठिकाना न मिल जाए। लोगों की इसी तलाश को पूरा करने के उद्देश्य से बेंगलुरू के थिमासंदरा में नए विश्व शांति भवन का निर्माण किया गया है। इस अवसर पर माउंट आबू से आए युवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके आत्मप्रकाश ने कहा, नाम के अनुसार विश्व शांति भवन विश्व में शांति फैलाने वाला भवन बनेगा। भवन का शुभारंभ बीके आत्म प्रकाश, कुमारापार्क सबजोन प्रभारी बीके सरोजा, येलहंका सेवाकेंद्र प्रभारी बीके विजयलक्ष्मी ने अनावरण कर किया। साथ ही सभी ने शिवध्वज फहराकर परमात्मा शिव का स्मरण भी किया। भवन के उद्घाटन अवसर पर विशाल कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ आचार्य राकुम इन्स्टीट्यूशन के मैनेजिंग ट्रस्टी आचार्य राकुम, बेत्ताहल्सूर में ग्राम पंचायत के अध्यक्ष जी एस रजनी प्रकाश, तिमासंदरा में ग्राम पंचायत के सदस्य टीजी मोहन, बीके आत्म प्रकाश, बीके सरोजा समेत अनेक अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन से किया। अंत में सभी अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया व ईश्वरीय सौगात भेंट की।

नीमच में होने जा रहा है भव्य पीस पार्क का निर्माण

शिव आमंत्रण, नीमच। मध्यप्रदेश के नीमच में पच्चीस हजार वर्गफुट से अधिक भूमि में पीस पार्क का निर्माण होने जा रहा है जिसका शिलांन्यास नीमच सबजोन प्रभारी बीके सविता, निदेशक बीके सुरेंद्र, अनिल डूंगरवाल, बीके अरूणा ने 2000 से भी अधिक लोगों की उपस्थिति में किया। संस्थान के सबजोन डायरेक्टर बीके सुरेन्द्र ने बताया, कि 25 हजार वर्गफीट से अधिक भूमि सर्वजन हिताय आध्यात्मिक प्रयोजन हेतु जमुनिया कला निवासी अनिल डुंगरवाल द्वारा निःशुल्क प्रदान की गई है। इस मौके पर सबजोन संचालिका बीके सविता ने राजयोग का अभ्यास कराया जिसमें सभी ने चारों ओर शांति एवं शक्ति के प्रकम्पनों का अनुभव किया। इस दौरान बीके अरूणा ने अनिल डूंगरवाल को ईश्वरीय सेवा में सहयोगी बनने पर सम्मानित किया। नीमच सबजोन की दिवंगत संचालिका बीके पुष्पा के तृतीय पुण्यतिथि दिवस पर भावभीनी श्रध्दांजली भी इस अवसर पर अर्पित की गई।

जन सरोकारी पत्रिका है शिव आमंत्रण-प्रमोद कुमार

शिव आमंत्रण, मोतिहारी। बिहार सरकार के पर्यटन मंत्री प्रमोद कुमार ने कहा, कि शिव आमंत्रण पत्रिका आम आदमी के जीवन को श्रेष्ठ बनाने वाली पत्रिका है। इससे व्यक्ति थोड़ा भी सीखने का प्रयास करे तो उसका जीवन बदल सकता है। यह बात बीके अशोक वर्मा द्वारा ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात शिव आमंत्रण पत्रिका भेंट करने के दौरान कही। इसके साथ ही गोपाल साह उच्च विद्यालय के प्राचार्य भ्राता मदन प्रसाद भी उपस्थित थे।

नवनिर्मित आध्यात्मिक म्यूजियम

शिव संदेश देने के लिए गिराये नेपाल में हेलिकॉप्टर से पर्चे

हेलिकॉप्टर से दिये गये पर्चों द्वारा पहाड़ी और दूर-दूर के इलाकों में रहने वाले लाखों लागों को शिव सन्देश मिला।

धादिङ्ग, नेपाल । नेपाल की सब जगह समतल नहीं है। कहीं पहाड़ी इलाका है, कहीं समतल है तो कहीं पहुंचने में बड़ी मेहनत करनी पड़ती है। यह बातें ध्यान में रखते हुए और धादिङ्ग के नवनिर्मित आध्यात्मिक म्यूजियम के उद्घाटन कार्यक्रम के निमित्त आसपास के इलाकों में शिव संदेश देने के लिए हेलिकॉप्टर के द्वारा पर्चे गिराये गये।

धादिङ्ग के ओम् शान्ति मार्ग स्थित ब्रह्माकुमारी राजयोग सेवाकेन्द्र द्वारा नवनिर्मित आध्यात्मिक म्यूजियम शिव ज्योति भवन का उद्घाटन वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके राज ने किया। शहर के लोगों को यह म्यूजियम आध्यात्मिकता में गहन अनुभूति का माध्यम बनेगा । स्थानीय लोगों के सेवा हेतु यहां एक छोटा पार्क भी निर्माण किया गया है। इस अवसर पर एक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें शहर के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

आंतरिक स्वच्छता है तो बाह्य स्वच्छता बनेगी

शिव आमंत्रण, कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में उर्जा संरक्षण एवं स्वच्छता सप्ताह के तहत ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के सदस्यों एवं शहर के गणमान्य लोगों ने सफाई कर प्रदूषण मुक्त वातावरण बनाने की अपील की। सेवाकेंद्र में सी.एस.पी.जी.सी.एल के कार्यपालन यंत्री जी.आर. साहू ने प्राकृतिक संसाधनों का सदुपयोग तथा उनके सरंक्षण के बारे में जानकारी दी। अग्रवाल युवा सभा के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, डॉ. के. सी. देवनाथ, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रूक्मिणी ने स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर रैली भी निकाली गई।

सेना के जवानों ने सीखा राजयोग

शिमला। जवानों के लिए 2 दिवसीय राजयोग शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर कमांडेंट ऋषि राज सिंह, एज्युकेशन ब्रांच हेड चंदेर शेखर पांडेसमेत एसआईए एसआई हवालदारों ने हिस्सा लिया और बीके सुनीता, बीके यश पौल के मार्गदर्शन में राजयोग की सहज विधि सिखी। बीके सुनीता ने जवानों को बताया, कि बदलते माहौल में हमें शरीर के साथ साथ मन से भी स्वस्थ बनना बेहद ज़रूरी है, जिसके लिए राजयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अंतराष्ट्रीय समाचार

जलवायु सम्मेलन में ब्रह्माकुमारीज़ का प्रतिनिधित्व

शिव आमंत्रण, बॉन। जर्मनी के बॉन में वैश्विक जलवायु युवा-सीओवाय 13 सम्मेलन का आयोजन हुआ। यह सम्मेलन यू.एन.एफ.सी.सी.सी. द्वारा आयोजित होती है। इस 3 दिवसीय सम्मेलन में 114 देशों के लगभग 1300 युवाओं समेत ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के युवा सदस्य शामिल हुए। इस सम्मेलन का उद्देश्य युवाओं के कौशल को साझा करना, कनेक्ट करना और एक स्थायी समाज बनाने के लिए युवाओं को एक मंच देना है। सम्मेलन में ब्रह्माकुमारीज़ को वेलनेस टीम का हिस्सा बनने का अवसर मिला जिसमें उन्हें इनर स्पेस, सस्टेनेबल एक्टिविज्म, एक्टिव वेलबीइंग नामक 3 कमरे मिले थे। बीके सदस्यों ने कई वर्कशॉप आयोजित कर बीके एन्वायरमेंट इनीशिएटिव और इण्डिया वन प्रोजेक्ट को प्रदर्शित किया। राजयोग मेडिटेशन और भारतीय नृत्य के सत्रों का भी आयोजन हुआ। 3 दिनों में 271 प्रोग्राम के आयोजनों के बाद इस सम्मेलन के समापन अवसर पर यू.एन.एफ.सी.सी.सी की कार्यकारी सचिव पैट्रिशिया एस्पीनोसा, फिजि के प्रधानमंत्री फ्रैंक बैनिमारामा, बॉन के मेयर अशोक श्रीधरन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस दौरान बीके सदस्यों को फ्रैंक बैनिमारामा से मुलाकात और एनवायरमेंट ब्लैसिंग काईस शेयर करने का मौका मिला।

विचार करते है घटनाओं का निर्माण

शिव आमंत्रण, लेस्टर। अ न्यू माइंडसेट- ग्रीन ट्रांसिशन विषय पर यूके में लेस्टर के हार्मनी हाउस में कार्य म का आयोजन किया गया। जिसमें माउंट आबू से आए सोलार एनर्जी के एडवाइज़र ब्रह्माकुमार गोलो पिल्ज़ ने बहुत ही सुंदर ढ़ंग से बताया कि किस तरह से हमारे विचार आस-पास की घटनाओं का निर्माण करते हैं। बीके गोलो ने अपनी पुरानी आदते मिटा के आशावादी वायुमण्डल निर्माण करने के विषय पर भी प्रकाश डाला व बताया, कि किस तरह से अंतर्जगत से बाह्य जगत संबंधित है। अंत में बीके गोलो पिल्ज़ ने सभी को प्रैक्टिकल मेडिटेशन कराया जिसके द्वारा उन्होंने आत्मा के सातों गुणों व शक्ति यों की अनुभूति कराई और स्वयं में श्रेष्ठ बदलाव लाने की विधि राजयोग के माध्यम से सिखाई।

बताया सांताक्लॉज का आध्यात्मिक रहस्य

शिव आमंत्रण, लंदन। क्रिसमस का प्यारा त्यौहार जीवन में अपार खुशियां लेकर आता है। वैसे तो ि समस ईसाई समुदाय के लोगों का महापर्व है लेकिन बदलते दौर में हर वर्ग व समुदाय के लोग खुशी से यह पर्व मनाते हैं। ि समस के दिन लोगों का यह मानना है कि सांताक्लॉज देवदूत बनकर आएंगे और उनकी सारी आशाओं को पूरा करेंगे। इसी खुशी के मौके पर लंदन के ग्लोबल कॉपरेशन हाउस सेवाकेंद्र पर भी इस पर्व के पीछे छिपे आध्यात्मिक रहस्यों के साथ खुशी व उमंग-उत्साह से लोग सराबोर हो गए। ग्लोबल कॉपरेशन हाउस में एलाइस वंडरफुल एडवेंचर स्टोरी पर नाटक प्रस्तुति दी गई। यूरोप सेवाकेंद्रों की निदेशिका बीके जयंति, बीके मोरिन ने क्रिसमस पर्व के पीछे के आध्यात्मिक रहस्यों को बताते हुए शुभकामनाएं दीं।

एआरसी में बीके फैमिली के लिए कार्निवाल

शिव आमंत्रण, कुआलालुंपुर। मलेशिया के एशिया रिट्रीट सेंटर में फोर्थ बीके फैमिली कार्निवाल का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन बीके लेछू, बीके पेरू, बीके जोथी ने किया। इस कार्निवाल में मनोरंजन के लिए अनेक प्रकार के खेल व गतिविधियां शामिल की गई थी। कई सेवाकेंद्रों से आए लगभग 150 लोगों ने इस कार्निवाल में सहभागिता की। जिसमें लगाए गए फुड फेयर में 28 प्रकार के मलेशियन शाकाहारी व्यंजन शामिल थे। इसके साथ ही जंबल सेल आइटम्स व बुक स्टॉल्स भी लगाए गए थे जिसके द्वारा कई परिवारों ने रचनात्मकता को बढ़ाया।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को ईश्वरीय सौगात भेंट

शिव आमंत्रण, अटालदरा। गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के पुनः मुख्यमंत्री निर्वाचित होने पर राजकोट सेवाकेन्द्र की बीके अंजू, बीके किंजल समेत संस्था के सदस्यों के एक दल ने उन्हें गुलदस्ता भेंटकर उनका सम्मान किया।

मुख्यमंत्री को एक लाख लोगों का भेंट किया संकल्प पत्र

शिव आमंत्रण, ग्वालियर। इस एकात्म यात्रा के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज ग्वालियर द्वारा अनेकानेक जगह पर व्यसन मुक्ति की प्रदर्शनी लगाई एवं व्यसन मुक्ति का सन्देश देने हेतु यात्रायें निकाली गई इसमें लगभग 1 लाख लोगो को सन्देश दिया गया जिसमें से हजारों लोगो ने व्यसन मुक्ति संकल्प पत्र भरे यह सभी संकल्प पत्र 10 जनवरी को कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भेंट किये गए। साथ में उच्च शिक्षा मंत्री श्री जयभान सिंह पवैया, नगरीय विकास मंत्री श्रीमती माया सिंह जी भी उपस्थित थी। संकल्प पत्र देते हुए भोपाल जोन निदेशिका राजयोगिनी बी.के. अवधेश, लश्कर सेवाकेन्द्र प्रभारी बी.के. आदर्श, बी.के. सुधा सहित कई लोग उपस्थित थे।

सांता क्लॉज और छोटी परियों ने बांटे ब्लेसिंग कार्डस्

जुहू बीच पर स्नेक लैडर गेम द्वारा ईश्वरीय संदेश देते सांता क्लॉज और बीके भाई बहनें।

शिव आमंत्रण, मुंबई। मुंबई के जुहू चौपाटी पर हजारों की संख्या में बच्चों से लेकर बड़े व बुर्जुग लोग छुट्टी के दिन आते हैं और विशाल समंदर की लहरों व सुखद वातावरण का आनंद लेते हैं, आपस में खुशियां बांटते हैं। उनकी खुशियों को और बढ़ाने, मूल्यों की शिक्षा देने और शांति व भाईचारे का संदेश देने के उद्देश्य से ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा मूल्यनिष्ठ समाज नामक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी, मेडिटेशन रूम, लिटरेचर स्टॉल, गुड विशेस ट्री का आयोजन किया गया। इसके साथ साथ स्नेक लैडर (सांप सीढ़ी) का विशाल गेम भी रखा गया था जिस खेल को सभी लोगों ने पसंद किया और इस खेल की तरह जीवन रूपी खेल में होने वाली हार-जीत में मनोबल को स्थिर रखने की प्रेरणा ली। सभी लोगों को शांति और भाईचारे का संदेश देने के लिए सांता क्लॉज और छोटी परियों ने सभी को ब्लेसिंग कार्ड और चॉकलेट देकर उनका मन जीत लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन विलेपार्ले सेवाकेंद्र की बीके अंसुला, बीके दीपा, बीके तपस्विनी व अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में किया गया।

प्रकाशक एवं मुद्रक: ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डीबी सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित। Posted at Shantivan P.O. Dt. 18 to 20 of Each Month

सलाहकार संपादक: प्रो. कमल दीक्षित **संपादक:** ब्र.कु. कोमल, **संयुक्त संपादक:** ब्र.कु. पुष्पेन्द्र। **आरएनआई नंबर: आरजेएचआईएन/ 2013/53539**